COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवे शक शह्र

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

THEME TWELVE

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

In this chapter we will discuss the process of urbanisation in colonial India, explore the distinguishing characteristics of colonial cities and track social changes within them.

इस अध्याय में हम औपनिवेशिक भारत में शहरीकरण की प्रक्रिया पर चर्चा करेंगे, औपनिवेशिक शहरों की चारित्रिक विशिष्टताओं का अन्वेषण करेंगे और उनमें होने वाले सामाजिक परिवर्तनों को देखेंगे।

ओरिएंटल सीनरी, 1798 में प्रकाशित डेनियल के एक चित्र पर आधारित टॉमस तथा विलिमय डेनियल द्वारा फोर्ट सेंट जॉर्ज, मद्रास का दक्षिण-पश्चिमी अवलोकन।
माल से लदे यूरोपीय जहाज दूर क्षितिज पर अंकित हैं। अग्रभाग में मछुआरों की देसी नाव देखी जा सकती हैं।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖ Escaping to the countryside

This is how the famous poet Mirza Ghalib described what the people of Delhi did when the British forces occupied the city in 1857:

❖ ग्रामीण क्षेत्रों की ओर पलायन

1857 में ब्रिटिश सेना द्वारा शहर पर अधिकार करने के बाद दिल्ली के लोगों ने क्या किया, इसका वर्णन प्रसिद्ध शायर मिर्ज़ा ग़ालिब इस प्रकार करते हैं:

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Smiting the enemy and driving him before them, the victors (i.e., the British) overran the city in all directions. All whom they found in the street they cut down ... For two to three days every road in the city, from the Kashmiri Gate to Chandni Chowk, was a battlefield.

दुश्मन को पराजित करने और भगा देने के बाद, विजेताओं (ब्रिटिश) ने सभी दिशाओं से शहर को उजाड दिया। जो सड़क पर मिले उन्हें काट दिया गया...। दो से तीन दिनों तक कश्मीरी गेट से चाँदनी चौक तक शहर की हर सड़क युद्धभूमि बनी रही।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Three gates – the Ajmeri, the Turcoman and the Delhi – were still held by the rebels ... At the naked spectacle of this vengeful wrath and malevolent hatred the colour fled from men's faces, and a vast concourse of men and women ... took to precipitate flight through these three gates. Seeking the little villages and shrines outside the city, they drew breath to wait until such time as might favour their return.

तीन द्वार – अजमेरी, तुर्कमान तथा दिल्ली – अभी भी विद्रोहियों के क़ब्जे में थे...। इस प्रतिशोधी आक्रोश तथा घृणा के नंगे नाच से लोगों के चेहरों का रंग उड गया, और बड़ी संख्या में पुरुष और महिलाएँ... इन तीनों द्वारों से हड़बड़ा कर पलायन करने लगे। शहर के बाहर छोटे गाँवों और देवस्थलों में शरण ले अपनी वापसी के अनुकूल समय का इंतज़ार करते रहे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES औपनिवेशक शहर

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖ **Towns and Cities in Pre-colonial Times (What gave towns their character?)**

❖ पूर्व–औपनिवेशिक काल में क़स्बे और शहर (क़स्बों को उनका चरित्र कैसे मिला?)

Towns by contrast were peopled with artisans, traders, administrators and rulers.

क़स्बों में शिल्पकार, व्यापारी, प्रशासक तथा शासक रहते थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Towns dominated over the rural population, thriving on the surplus and taxes derived from agriculture.

क़स्बों का ग्रामीण जनता पर प्रभुत्व होता था और वे खेती से प्राप्त करों और अधिशेष के आधार पर फलते-फूलते थे।

Towns and cities were often fortified by walls which symbolised their separation from the countryside.

अकसर क़स्बों और शहरों की क़िलेबन्दी की जाती थी जो ग्रामीण क्षेत्रों से इनकी पृथकता को चिह्नित करती थी।

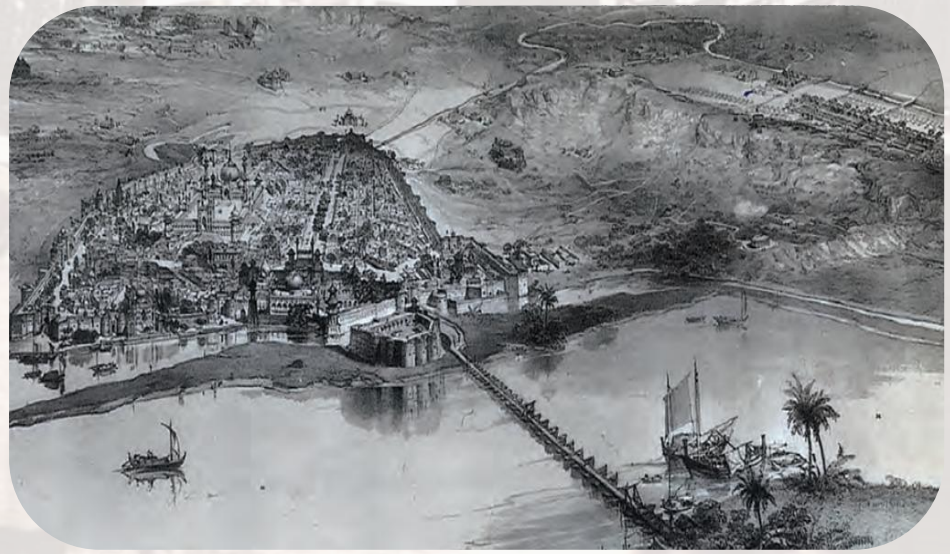

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

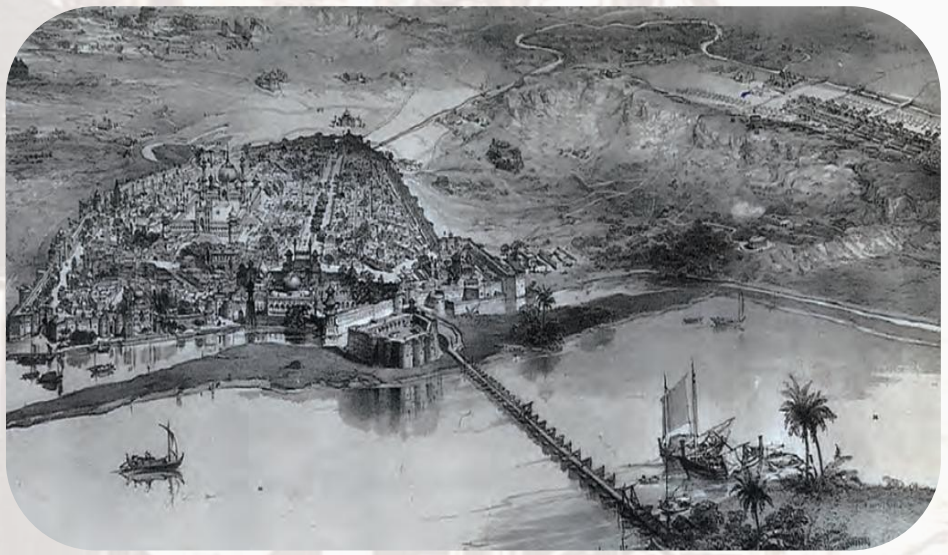

However, the separation between town and country was fluid. Peasants travelled long distances on pilgrimage, passing through towns; they also flocked to towns during times of famine.

फिर भी क़स्बों और गाँवों के बीच की पृथकता अनिश्चित होती थी। किसान तीर्थ करने के लिए लम्बी दूरियां तय करते थे और क़स्बों से होकर गुज़रते थे; वे अकाल के समय क़स्बों में जमा भी हो जाते थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

The presence of the emperor and noblemen in these centres meant that a wide variety of services had to be provided.

इन केंद्रों में सम्राट और कुलीन वर्ग की उपस्थिति के कारण वहां कई प्रकार की सेवाएँ प्रदान करना आवश्यक था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Grain from the countryside was brought into urban markets for the town dwellers and the army. The treasury was also located in the imperial capital.

ग्रामीण अंचलों से शहर के बाज़ारों में निवासियों और सेना के लिए अनाज लाया जाता था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Within these towns were gardens, mosques, temples, tombs, colleges, bazaars and caravanserais. The focus of the town was oriented towards the palace and the principal mosque.

नगरों के भीतर उद्यान, मस्जिदें, मन्दिर, मक़बरे, महाविद्यालय, बाज़ार तथा कारवां सराय स्थित होती थीं। नगर का ध्यान महल और मुख्य मस्जिद की ओर होता था।

शाहजहाँनाबाद, 1857
शहर के चारों और बनाई गई दिवारों को 1857 के बाद ढहा दिया गया था। लाल किला नदी के किनारे पर दिखाई दे रहा है। दायीं तरफ फासले पर रिज में आप ब्रिटिश बसावट और छावनी देख सकते हैं।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

In the towns of South India such as Madurai and Kanchipuram the principal focus was the temple. These towns were also important commercial centres.

दक्षिण भारत के नगरों जैसे मदुरई और काँचीपुरम् में मुख्य केन्द्र मन्दिर होता था। य नगर महत्त्वपूर्ण व्यापारिक केन्द्र भी थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Medieval towns were places where everybody was expected to know their position in the social order dominated by the ruling elite. In North India, maintaining this order was the work of the imperial officer called the kotwal who oversaw the internal affairs and policing of the town.

मध्यकालीन शहरों में शासक वर्ग के वर्चस्व वाली सामाजिक व्यवस्था में हरेक से अपेक्षा की जाती थी कि उसे समाज में अपना स्थान पता हो। उत्तर भारत में इस व्यवस्था को बनाए रखने का कार्य कोतवाल नामक राजकीय अधिकारी का होता था जो नगर में आंतरिक मामलों पर नज़र रखता था और कानून-व्यवस्था बनाए रखता था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖ The kotwal of Delhi

Did you know that the first Prime Minister of India, Jawaharlal Nehru's grandfather, Ganga Dhar Nehru, was the kotwal of Delhi before the Revolt of 1857? Read Jawaharlal Nehru, Autobiography, for more details.

❖ दिल्ली का कोतवाल

क्या आप जानते हैं कि हमारे पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के दादा गंगाधर नेहरू **1857** के विद्रोह से पहले दिल्ली के कोतवाल हुआ करते थे? इस बारे में और जानकारी के लिए जवाहरलाल नेहरू की आत्मकथा पढ़ें।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Qasbah is a small town in the countryside, often the seat of a local notable. Ganj refers to a small fixed market. Both qasbah and ganj dealt in cloth, fruit, vegetables and milk products. They provided for noble families and the army.

क़स्बा ग्रामीण अंचल में एक छोटे नगर को कहा जाता है जो सामान्यतया स्थानीय विशिष्ट व्यक्ति का केन्द्र होता है। गंज एक छोटे स्थायो बाज़ार को कहा जाता है। क़स्बा और गंज दोनों कपड़ा, फल, सब्जी तथा दूध उत्पादों से संबद्ध थे। विशिष्ट परिवारों तथा सेना के लिए सामग्री उपलब्ध कराते थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖ Changes in the eighteenth century

❖ अठारहवीं शताब्दी में परिवर्तन

All this started changing in the eighteenth century. With political and commercial realignments, old towns went into decline and new towns developed.

यह सब अठारहवीं शताब्दी में बदलने लगा। राजनीतिक तथा व्यापारिक पुनर्गठन के साथ पुराने नगर पतनोन्मुख हुए और नए नगरों का विकास होने लगा।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Changes in the networks of trade were reflected in the history of urban centres.

व्यापार तंत्रों में परिवर्तन शहरी केन्द्रों के इतिहास में परिलक्षित हुए।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

British in Madras in 1639

The European commercial Companies had set up base in different places early during the Mughal era: the Portuguese in Panaji in 1510, the Dutch in Masulipatnam in 1605, the British in Madras in 1639 and the French in Pondicherry (present-day Puducherry) in 1673.

यूरोपीय व्यापारिक कम्पनियों ने पहले, मुग़ल काल में ही विभिन्न स्थानों पर आधार स्थापित कर लिए थे : पुर्तगालियों ने **1510** में पणजी में, डचों ने **1605** में मछलीपट्नम में, अंग्रेज़ों ने मद्रास में **1639** में तथा फ्रांसीसियों ने **1673** में पांडिचेरी (आज का पुदुचेरी) में।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

With the expansion of commercial activity, towns grew around these trading centres.

व्यापारिक गतिविधियों में विस्तार के साथ ही इन व्यापारिक केंद्रों के आस-पास नगर विकसित होने लगे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

From the mid-eighteenth century, there was a new phase of change. Commercial centres such as Surat, Masulipatnam and Dhaka, which had grown in the seventeenth century, declined when trade shifted to other places.

मध्य–अठारहवीं शताब्दी से परिवर्तन का एक नया चरण आरंभ हुआ। जब व्यापारिक गतिविधियाँ अन्य स्थानों पर केंद्रित होने लगी तो सत्रहवीं शताब्दी में विकसित हुए सूरत, मछलीपट्नम तथा ढाका पतनोन्मुख हो गए।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

They also became centres of colonial administration and political power. New buildings and institutions developed, and urban spaces were ordered in new ways.

य औपनिवेशिक प्रशासन और सत्ता के केन्द्र भी बन गए। नए भवनों और संस्थानों का विकास हुआ, तथा शहरी स्थानों को नए तरीकों से व्यवस्थित किया गया।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

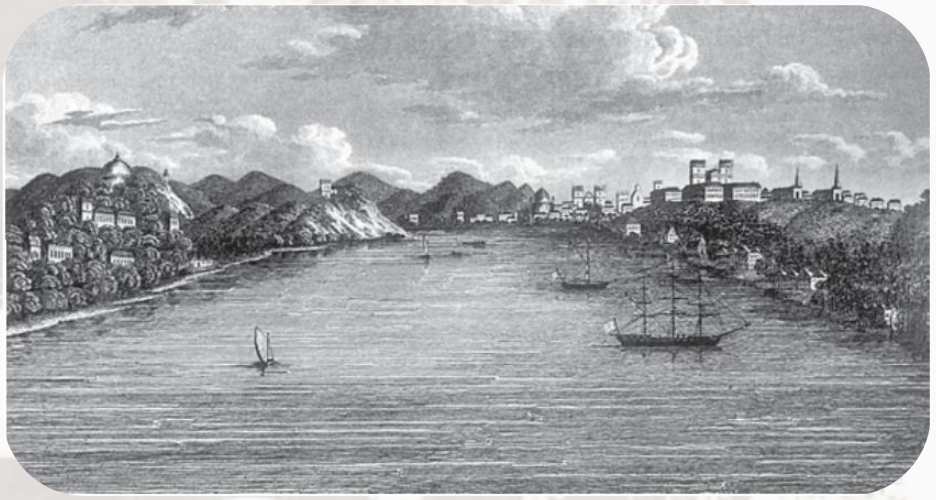

नदी से गोवा शहर का एक दृश्य, जे. ग्रेग द्वारा, 1812

New occupations developed and people flocked to these colonial cities. By about 1800, they were the biggest cities in India in terms of population.

नए रोज़गार विकसित हुए और लोग इन औपनिवेशिक शहरों की ओर उमड़ने लगे। लगभग **1800** तक य जनसंख्या के लिहाज़ से भारत के विशालतम शहर बन गए थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖ Names of cities

Madras, Bombay and Calcutta were the Anglicised names of villages where the British first set up trading posts. They are now known as Chennai, Mumbai and Kolkata respectively.

❖ शहरों के नाम

मद्रास, बम्बई और कलकत्ता शब्द उन गाँवों के अंग्रेज़ी प्रभावित नाम हैं जहां अंग्रेज़ों ने सबसे पहले अपनी व्यापारिक चौकियां बनाई थीं। अब उन्हें चेन्नई, मुम्बई और कोलकाता कहा जाने लगा है।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES औपनिवेशक शहर

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖**Finding Out about Colonial Cities (Colonial records and urban history)**

❖औपनिवेशिक शहरों की पड़ताल (औपनिवेशिक रिकॉर्ड्स और शहरी इतिहास)

Colonial rule was based on the production of enormous amounts of data. The British kept detailed records of their trading activities in order to regulate their commercial affairs.

औपनिवेशिक शासन बेहिसाब आंकड़ों और जानकारियों के संग्रह पर आधारित था। अंग्रेज़ों ने अपने व्यावसायिक मामलों को चलाने के लिए व्यापारिक गतिविधियों का विस्तृत ब्यौरा रखा था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

To keep track of life in the growing cities, they carried out regular surveys, gathered statistical data, and published various official reports.

बढ़ते शहरों में जीवन की गति और दिशा पर नज़र रखने के लिए वे नियमित रूप से सर्वेक्षण करते थे। सांख्यिकीय आँकड़े इकट्ठा करते थे और विभिन्न प्रकार की सरकारी रिपोर्टें प्रकाशित करते थे।

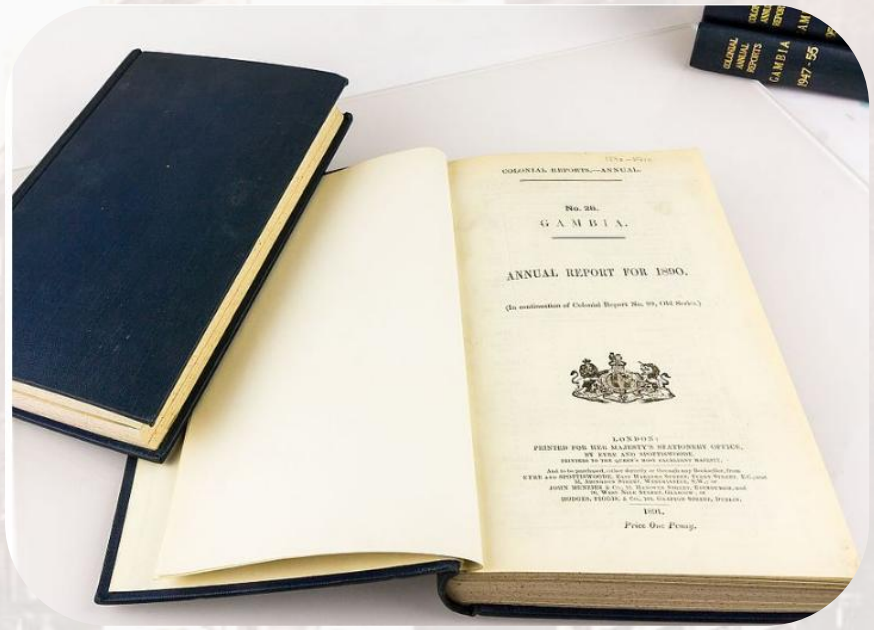

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

From the early years, the colonial government was keen on mapping. It felt that good maps were necessary to understand the landscape and know the topography.

प्रारंभिक वर्षों से ही औपनिवेशिक सरकार ने मानचित्र तैयार करने पर खास ध्यान दिया। सरकार का मानना था कि किसी जगह की बनावट और भूदृश्य को समझने के लिए नक्शे ज़रूरी होते हैं।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

They also show the location of ghats, density and quality of houses and alignment of roads, used to gauge commercial possibilities and plan strategies of taxation.

इसके अलावा घाटों की जगह, मकानों की सघनता और गुणवत्ता तथा सड़कों की स्थिति आदि से इलाके की व्यावसायिक संभावनाओं का पता लगाने और कराधान (टैक्स व्यवस्था) की रणनीति बनाने में मदद मिलती है।

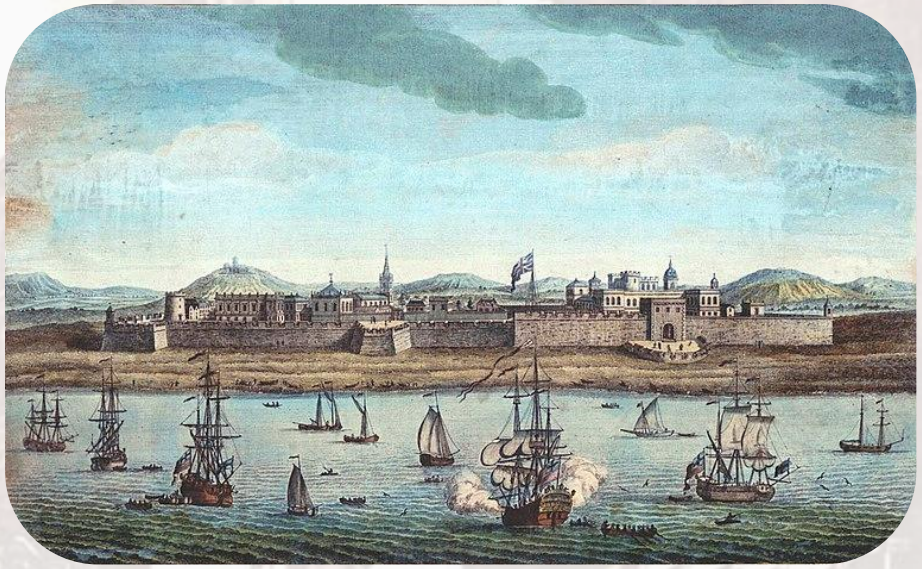

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

The growth of cities was monitored through regular headcounts. By the mid-nineteenth century several local censuses had been carried out in different regions.

शहरों के फैलाव पर नज़र रखने के लिए नियमित रूप से लोगों की गिनती की जाती थी। उन्नीसवीं सदी के मध्य तक विभिन्न क्षेत्रों में कई जगह स्थानीय स्तर पर जनगणना की जा चुकी थी।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

The first all-India census was attempted in 1872. Thereafter, from 1881, decennial (conducted every ten years) censuses became a regular feature. This collection of data is an invaluable source for studying urbanisation in India.

अखिल भारतीय जनगणना का पहला प्रयास **1872** में किया गया। इसके बाद, **1881** से दशकीय (हर **10** साल में होने वाली) जनगणना एक नियमित व्यवस्था बन गई। भारत में शहरीकरण का अध्ययन करने के लिए जनगणना से निकले आँकडे एक बहुमूल्य स्रोत हैं।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

The census operation, for instance, was a means by which social data were converted into convenient statistics about the population.

मिसाल के तौर पर, जनगणना एक एसा साधन थी जिसके ज़रिए आबादी के बारे में सामाजिक जानकारियों को सुगम्य आंकडों में तब्दील किया जाता था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

But this process was riddled with ambiguity. The census commissioners devised categories for classifying different sections of the population.

लेकिन इस प्रक्रिया में कई भ्रम थे। जनगणना आयुक्तों ने आबादी के विभिन्न तबकों का वर्गीकरण करने के लिए अलग-अलग श्रेणियां बना दी थीं।

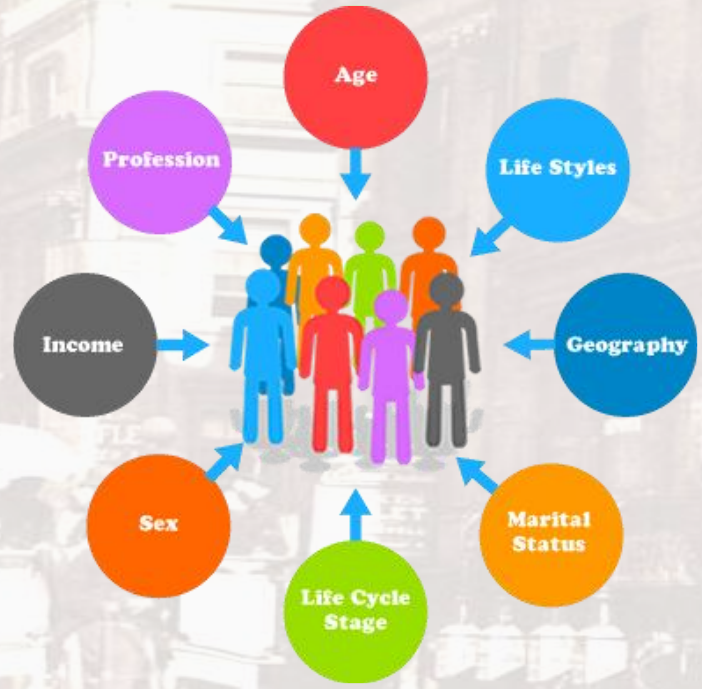

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Upper-caste people were also unwilling to give any information regarding the women of their household: women were supposed to remain secluded within the interior of the household and not subjected to public gaze or public enquiry.

ऊँची जाति के लोग अपने घर की औरतों के बारे में जानकारी देने से हिचकिचाते थे; महिलाओं से अपेक्षा की जाती थी कि वे घर के भीतरी हिस्से में दुनिया से कट कर रहें, उनके बारे में सार्वजनिक दृष्टि या सार्वजनिक जाँच को सही नहीं माना जाता था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Census officials also found that people were claiming identities that they associated with higher status.

जनगणना अधिकारियों ने यह भी पाया कि बहुत सारे लोग एसी पहचानों का दावा करते थे जो ऊँची हैसियत की मानी जाती थीं।

For instance there were people in towns who were hawkers and went selling small articles during some seasons, while in other seasons they earned their livelihood through manual labour.

शहरों में एसे लोग भी थे जो फेरी लगाते थे या काम न होने पर मज़दूरी करने लगते थे।

COLONIAL CITIES
URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर
नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

the figures of mortality and disease were difficult to collect, for all deaths were not registered, and illness was not always reported, nor treated by licensed doctors. How then could cases of illness or death be accurately calculated?

मृत्यु दर और बीमारियों से संबंधित आंकड़ों को इकट्ठा करना भी लगभग असंभव था। बीमार पड़ने की जानकारी भी लोग प्रायः नहीं देते थे। बहुत बार इलाज भी गैर-लाइसेंसी डॉक्टरों से करा लिया जाता था। एसे में बीमारी या मौत की घटनाओं का सटीक हिसाब लगाना कैसे संभव था?

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Thus historians have to use sources like the census with great caution, keeping in mind their possible biases, recalculating figures and understanding what the figures do not tell.

कहने का मतलब यही है कि इतिहासकारों को जनगणना जैसे स्रोतों का भारी अहतियात से इस्तेमाल करना पड़ता है। उन्हें जनगणना के पीछे निहित संभावित पूर्वाग्रहों को ध्यान में रखते हुए इन संख्याओं की सावधानी से पड़ताल करनी चाहिए और यह समझना चाहिए कि य संख्याएँ क्या नहीं बता रही हैं।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖What maps reveal and conceal

The development of survey methods, accurate scientific instruments and British imperial needs meant that maps were prepared with great care. The Survey of India was established in 1878.

❖ नक्शे क्या बताते हैं और क्या छिपाते हैं

सर्वेक्षण पद्धतियों के विकास, सटीक वैज्ञानिक औज़ारों और ब्रिटिश शाही ज़रूरतों की वजह से मानचित्रों को बड़ी सावधानी के साथ तैयार किया जाता था। सर्वे ऑफ़ इंडिया (भारत सर्वेक्षण) का गठन **1878** में किया गया था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

While the maps that were prepared give us a lot of information, they also reflect the bias of the British rulers. Large settlements of the poor in towns went unmarked on maps because they seemed unimportant to the rulers.

उस समय तैयार किए गए नक्शों से हमें काफ़ी सारी जानकारी तो मिलती है, साथ ही अंग्रेज़ शासकों की सोच में निहित भेदभाव भी उजागर हो जाता है। मसलन, शहर में ग़रीबों की बड़ी-बड़ी बस्तियों को नक्शे पर चिह्नित ही नहीं किया गया क्योंकि शासकों के लिए उनका महत्त्व नहीं था।

COLONIAL CITIES
URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर
नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

As a result it was assumed that these blank spaces on the map were available for other development schemes. When these schemes were undertaken, the poor were evicted.

परिणामस्वरूप यह मान लिया गया कि नक्शे पर मौजूद य रिक्त स्थान अन्य विकास योजनाओं के लिए उपलब्ध हैं। जब इन योजनाओं को शुरू किया गया तो वहां से ग़रीबों को हटा दिया गया।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖Trends of change

❖बदलाव के रुझान

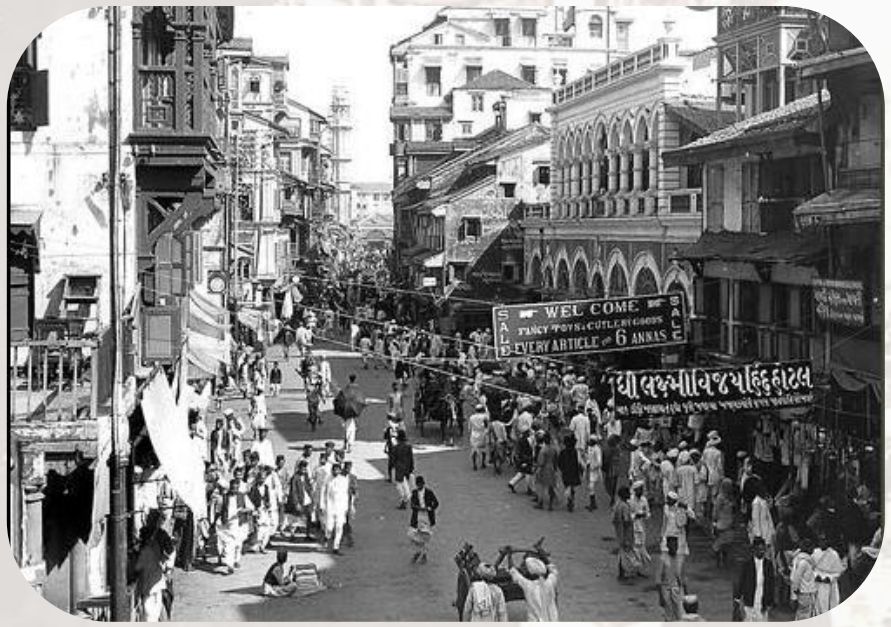

All through the nineteenth century up to the first two decades of the twentieth, the proportion of the urban population to the total population in India was extremely low and had remained stagnant.

पूरी उन्नीसवीं सदी और बीसवीं सदी के पहले दो दशकों तक देश की कुल आबादी में शहरी आबादी का हिस्सा बहुत मामूली और स्थिर रहा।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

The smaller towns had little opportunity to grow economically. Calcutta, Bombay and Madras on the other hand grew rapidly and soon became sprawling cities.

छोटे क़स्बों के पास आर्थिक रूप से विकसित होने के ज़्यादा मौके नहीं थे। दूसरी तरफ़ कलकत्ता, बम्बई और मद्रास तेज़ी से फैले और जल्दी ही विशाल शहर बन गए।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

In other words, the growth of these three cities as the new commercial and administrative centres was at the expense of other existing urban centres.

कहने का मतलब यह है कि नए व्यावसायिक एवं प्रशासनिक केंद्रों के रूप में इन तीन शहरों के पनपने के साथ-साथ कई दूसरे तत्कालीन शहर कमज़ोर भी पड़ते जा रहे थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

After the Industrial Revolution in England, this trend was reversed and these cities instead became the entry point for British-manufactured goods and for the export of Indian raw materials.

इंग्लैंड में हुई औद्योगिक क्रांति के बाद इस प्रवाह की दिशा बदल गई और इन शहरों में ब्रिटेन के कारखानों में बनी चीज़ें उतरने लगीं। भारत से तैयार माल की बजाय कच्चे माल का निर्यात होने लगा।

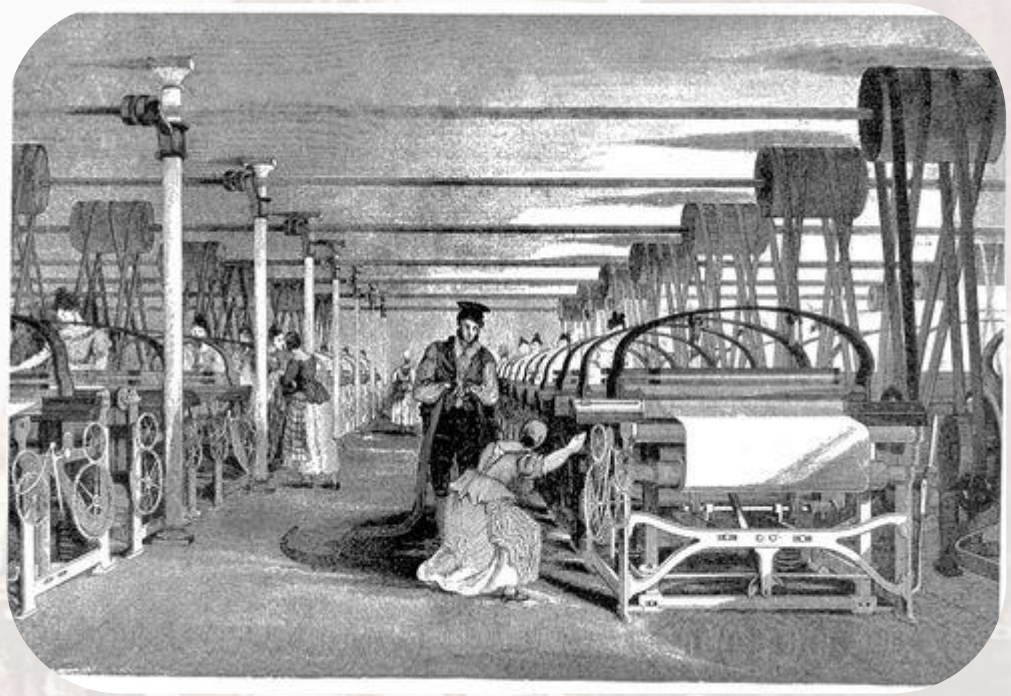

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

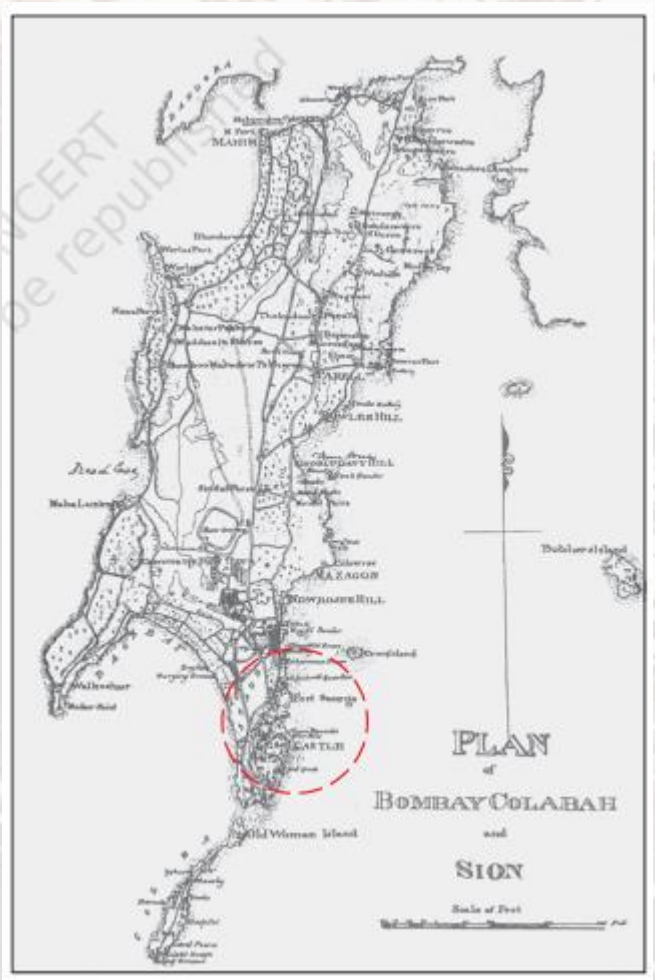

बम्बई का मानचित्र
"कासल" (दुर्ग) नामक गोले में घिरा हिस्सा किलाबंद आबादी का अंग था। बिंदुकित भाग में वे सात द्वीप दर्शाये गये हैं जिन्हें भूमि विकास परियोजनाओं के जरिए एक दूसरे से जोड़ दिया गया था।

The nature of this economic activity sharply differentiated these colonial cities from India's traditional towns and urban settlements.

इस आर्थिक गतिविधि का स्वरूप एसा था कि उसने औपनिवेशिक शहरों को देश के परंपरागत शहरों और क़स्बों से बिलकुल अलग ला खड़ा किया।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES
URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर
नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Every railway station became a collection depot for raw materials and a distribution point for imported goods.

हरेक रेलवे स्टेशन कच्चे माल का संग्रह केंद्र और आयातित वस्तुओं का वितरण बिंदु बन गया।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES औपनिवेशक शहर

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Urbanisation in India 1891 – 1941 (भारत में शहरीकरण 1891 – 1941)	
Year (वर्ष)	**Percentage of urban population to total population** कुल आबादी में शहरी आबादी का प्रतिशत
1891	**9.4**
1901	**10.0**
1911	**9.4**
1921	**10.2**
1931	**11.1**
1941	**12.8**

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖**What were the new towns like ? (Ports, forts and centres for services)**

❖नए शहर कैसे थे? बंदरगाह, क़िले और सेवाओं के केंद

कलकत्ता में ओल्ड फ़ोर्ट घाट, टॉमस एवं विलियम डेनियल का उत्कीर्ण चित्र, 1787

ओल्ड फ़ोर्ट पानी के किनारे बनाया गया था। कंपनी का माल यहीं उतारा जाता था। स्थानीय लोग यहाँ नहाने-धोने के लिए आते थे।

By the eighteenth century Madras, Calcutta and Bombay had become important ports.

अठारहवीं सदी तक मद्रास, कलकत्ता और बम्बई महत्वपूर्ण बंदरगाह बन चुके थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

From the mid-nineteenth century the expanding network of railways linked these cities to the rest of the country.

उन्नीसवीं सदी के मध्य में रेलवे के फैलते नेटवर्क ने इन शहरों को शेष भारत से जोड दिया।

As a result the hinterland – the countryside from where raw materials and labour were drawn – became more closely linked to these port cities.

नतीजा यह हुआ कि जहां से कच्चा माल और मज़दूर आते थे, एसे देहाती और दूर-दराज़ इलाक़े भी इन बंदरगाह शहरों से गहरे तौर पर जुड़ने लगे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

After the 1850s, cotton mills were set up by Indian merchants and entrepreneurs in Bombay, and European-owned jute mills were established on the outskirts of Calcutta. This was the beginning of modern industrial development in India.

1850 के दशक के बाद भारतीय व्यापारियों और उद्यमियों ने बम्बई में सूती कपड़ा मिलें लगाईं। कलकत्ता के बाहरी इलाक़े में यूरोपीयों के स्वामित्व वाली जूट मिलें खोली गईं। यह भारत में आधुनिक औद्योगिक विकास की शुरुआत थी।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Although Calcutta, Bombay and Madras supplied raw materials for industry in England, and had emerged because of modern economic forces like capitalism, their economies were not primarily based on factory production.

हालाँकि कलकत्ता, बम्बई और मद्रास इंग्लिश कारख़ानों के लिए कच्चा माल भेजते थे और पूँजीवाद जैसी आधुनिक आर्थिक ताकतों के बल पर मज़बूती से सामने आ चुके थे लेकिन उनकी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से फ़ैक्ट्री उत्पादन पर आधारित नहीं थी।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

There were only two proper "industrial cities": Kanpur, specialising in leather, woollen and cotton textiles, and Jamshedpur, specialising in steel.

उस समय यहाँ सही मायनों में केवल दो "औद्योगिक शहर" थे। एक कानपुर और दूसरा जमशेदपुर। कानपुर में चमड़े की चीज़ें, ऊनी और सूती कपड़े बनते थे जबकि जमशेदपुर स्टील उत्पादन के लिए विख्यात था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

- **A new urban milieu**
- एक नया शहरी परिवेश

Colonial cities reflected the mercantile culture of the new rulers

औपनिवेशिक शहर नए शासकों की वाणिज्यिक संस्कृति को प्रतिबिम्बित करते थे।

Indians who worked as interpreters, middlemen, traders and suppliers of goods also had an important place in these new cities.

दुभाषिए, बिचौलिए, व्यापारी और माल आपूर्तिकर्ता के रूप में काम करने वाले भारतीयों का भी इन नए शहरों में एक महत्त्वपूर्ण स्थान था।

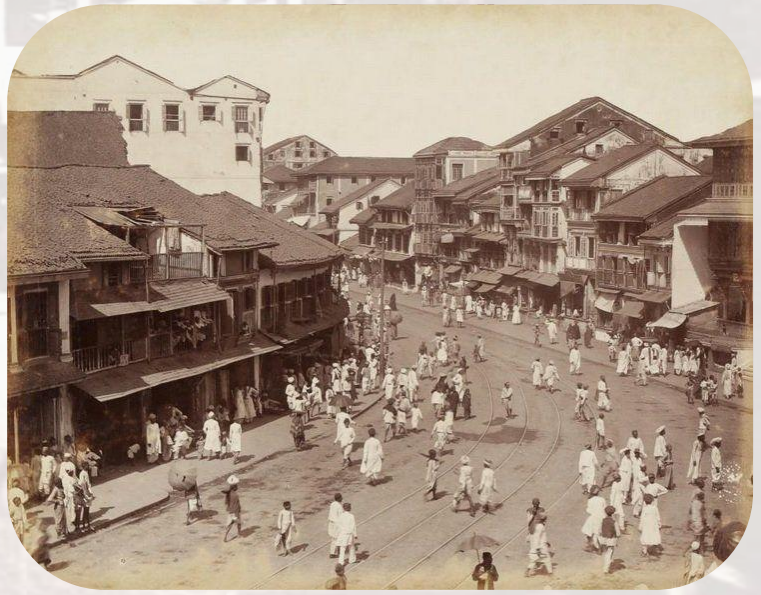

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Economic activity near the river or the sea led to the development of docks and ghats

नदी या समुद्र के किनारे आर्थिक गतिविधियों से गोदियों और घाटियों का विकास हुआ।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Along the shore were godowns, mercantile offices, insurance agencies for shipping, transport depots, banking establishments. Further inland were the chief administrative offices of the Company.

समुद्र किनारे गोदाम, वाणिज्यिक कार्यालय, जहाज़रानी उद्योग के लिए बीमा एजेंसियां, यातायात डिपो और बैंकिंग संस्थानों की स्थापना होने लगी। कंपनी के मुख्य प्रशासकीय कार्यालय समुद्र तट से दूर बनाए गए।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES औपनिवेशक शहर

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Around the periphery of the Fort, European merchants and agents built palatial houses in European styles.

क़िले की चारदिवारी के आस-पास यूरोपीय व्यापारियों और एजेंटों ने यूरोपीय शैली के महलनुमा मकान बना लिए थे।

Some built garden houses in the suburbs. Racially exclusive clubs, racecourses and theatres were also built for the ruling elite.

कुछ ने शहर की सीमा से सटे उपशहरी (**Suburb,** मुफ़स्सिल) इलाक़ों में बग़ीचा घर (**Garden House**) बना लिए थे। शासक वर्ग के लिए नस्ली विभेद पर आधारित क्लब, रेसकोर्स और रंगमंच भी बनाए गए।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

दि ओल्ड कोर्ट हाउस और राइटर्स बिल्डिंग, टॉमस एवं विलियम डेनियल, 1786

दाएँ हाथ पर कोर्ट हाउस (न्यायालय परिसर) के खुले तोरणपथ वाले बरामदे और लंबे खम्भों को 1792 में ढहा दिया गया था। इसके बगल में राइटर्स बिल्डिंग खड़ी है जहाँ ईस्ट इंडिया कंपनी के कर्मचारी (जिन्हें भारत में आने पर राइटर्स कहा जाता था) रहते थे। बाद में यह इमारत सरकारी कार्यालय बना दी गई।

The rich Indian agents and middlemen built large traditional courtyard houses in the Black Town in the vicinity of the bazaars.

अमीर भारतीय एजेंटों और बिचौलियों ने बाज़ारों के आस-पास ब्लैक टाउन में

परंपरागत ढंग के दालानी मकान बनवाए।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

The labouring poor provided a variety of services to their European and Indian masters as cooks, palanquin bearers, coachmen, guards, porters and construction and dock workers. They lived in makeshift huts in different parts of the city.

मज़दूर वर्ग के लोग अपने यूरोपीय और भारतीय स्वामियों के लिए ख़ानसामा, पालकीवाहक, गाड़ीवान, चौकीदार, पोर्टर और निर्माण व गोदी मज़दूर के रूप में विभिन्न सेवाएँ उपलब्ध कराते थे। वे शहर के विभिन्न इलाक़ों में कच्ची झोंपडियों में रहते थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

After the Revolt of 1857 British attitudes in India were shaped by a constant fear of rebellion.

1857 के विद्रोह के बाद भारत में अंग्रेज़ों का रवैया विद्रोह की लगातार आशंका से तय होने लगा था।

They felt that towns needed to be better defended, and white people had to live in more secure and segregated enclaves, away from the threat of the "natives".

उनको लगता था कि शहरों की और अच्छी तरह हिफ़ाज़त करना ज़रूरी है और अंग्रेज़ों को "देशियों" (Native) के ख़तरे से दूर, ज़्यादा सुरक्षित व पृथक बस्तियों में रहना चाहिए।

चौरंगी में नयी इमारतें, टॉमस एवं विलियम डेनियल, 1787

मैदान के पूर्वी किनारे पर अंग्रेज़ों के निजी मकान अठारहवीं सदी के आखिर में बनने लगे थे। इनमें से ज़्यादातर मकान पल्लड़ियन शैली के थे जिनमें गर्मियों से बचने के लिए खम्भों के सहारे बड़े बरामदे बनाए गए थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

द *मार्बल पैलेस (संगमरमर महल)*, कलकत्ता

यह नए शहरी संभ्रांत वर्ग के किसी भारतीय परिवार द्वारा बनवाई गई सबसे भव्य इमारतों में से एक थी।

Pasturelands and agricultural fields around the older towns were cleared, and new urban spaces called "Civil Lines" were set up. White people began to live in the Civil Lines.

पुराने क़स्बों के इर्द-गिर्द चरागाहों और खेतों को साफ़ कर दिया गया। "सिविल लाइन्स" के नाम से नए शहरी इलाक़े विकसित किए गए। सिविल लाइन्स में केवल गोरों को बसाया गया।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Cantonments– places where Indian troops under European command were stationed – were also developed as safe enclaves. These areas were separate from but attached to the Indian towns.

छावनियों को भी सुरक्षित स्थानों के रूप में विकसित किया गया। छावनियों में यूरोपीय कमान के अंतर्गत भारतीय सैनिक तैनात किए जाते थे। य इलाक़े मुख्य शहर से अलग लेकिन जुड़े हुए होते थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

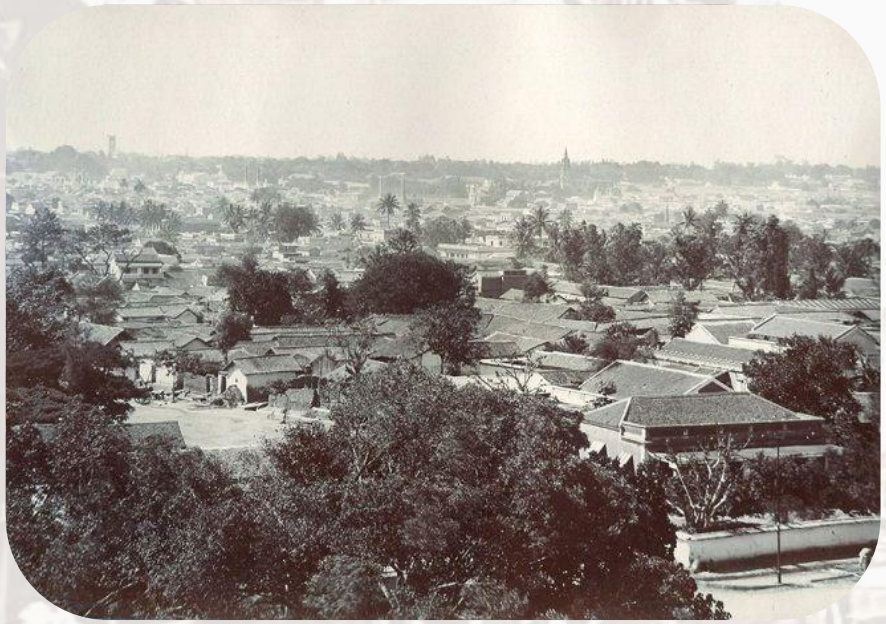

With broad streets, bungalows set amidst large gardens, barracks, parade ground and church, they were meant as a safe haven for Europeans as well as a model of ordered urban life in contrast to the densely built up Indian towns.

चौड़ी सड़कों, बड़े बगीचों में बने बंगलों, बैरकों, परेड मैदान और चर्च आदि से लैस य छावनियां यूरोपीय लोगों के लिए एक सुरक्षित आश्रय स्थल तो थीं ही, भारतीय क़स्बों की घनी और बेतरतीब बसावट के विपरीत व्यवस्थित शहरी जीवन का एक नमूना भी थीं।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

For the British, the "Black" areas came to symbolise not only chaos and anarchy, but also filth and disease.

अंग्रेज़ों की नज़र में काले इलाक़े न केवल अराजकता और हो-हल्ले का केंद्र थे, वे गंदगी और बीमारी का स्रोत भी थे।

For a long while the British were interested primarily in the cleanliness and hygiene of the "White" areas.

काफ़ी समय तक अंग्रेज़ों की दिलचस्पी गोरों की आबादी में सफ़ाई और स्वच्छता बनाए रखने तक ही सीमित थी

चितपुर बाज़ार, चार्ल्स डी. ऑइली द्वारा

चितपुर बाज़ार कलकत्ता में ब्लैक टाउन और व्हाइट टाउन की सीमा पर स्थित था। यहाँ विभिन्न प्रकार के मकानों को देखिए : एक तरफ अमीर ज़मींदार की ईंटों से बनी इमारत है और दूसरी तरफ फूँस से बनी गरीबों की झोंपड़ियाँ हैं। तसवीर में दिखाई दे रहे मंदिर को अंग्रेज़ ब्लैक पगोडा कहते थे जिसका यहाँ रहने वाले गोविन्द राम मित्तर नामक ज़मींदार ने निर्माण कराया था। नस्ल पर आधारित भाषा के चलते नाम भी अकसर स्याही में रँगे होते थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

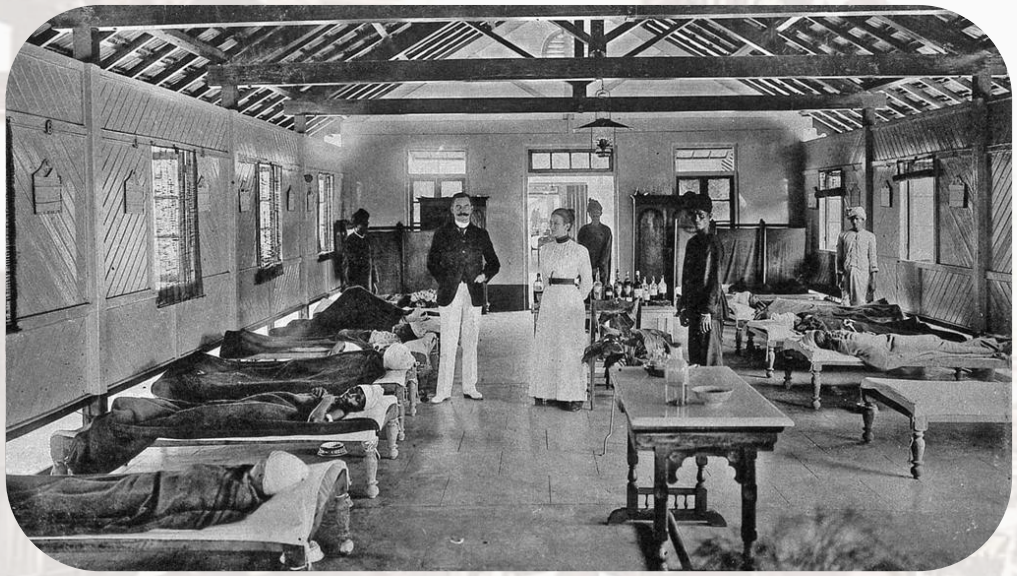

But as epidemics of cholera and plague spread, killing thousands, colonial officials felt the need for more stringent measures of sanitation and public health. They feared that disease would spread from the "Black" to the "White" areas.

लेकिन जब हैज़ा और प्लेग जैसी महामारियां फैलीं और हज़ारों लोग मारे गय तो औपनिवेशिक अफ़सरों को स्वच्छता व सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए ज़्यादा कड़े क़दम उठाने की ज़रूरत महसूस हुई। उनको भय था कि कहीं य बीमारियां ब्लैक टाउन से व्हाइट टाउन में भी न फैल जाएँ।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

From the 1860s and 1870s, stringent administrative measures regarding sanitation were implemented and building activity in the Indian towns was regulated.

1860 - 70 के दशकों से साफ़-सफ़ाई के बारे में कड़े प्रशासकीय उपाय लागू किए गय और भारतीय शहरों में निर्माण गतिविधियों पर अंकुश लगाया गया।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Underground piped water supply and sewerage and drainage systems were also put in place around this time. Sanitary vigilance thus became another way of regulating Indian towns.

लगभग इसी समय भूमिगत पाइप आधारित जलापूर्ति, निकासी और नाली व्यवस्था भी निर्मित की गई। इस प्रकार भारतीय शहरों को नियमित व नियंत्रित करने के लिए स्वच्छता निगरानी भी एक अहम तरीका बन गया।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖The first hill stations

❖पहला हिल स्टेशन

Hill stations were a distinctive feature of colonial urban development. The founding and settling of hill stations was initially connected with the needs of the British army.

हिल स्टेशन (पर्वतीय सैरगाह) भी औपनिवेशिक शहरी विकास का एक ख़ास पहलू थी। हिल स्टेशनों की स्थापना और बसावट का संबंध सबसे पहले ब्रिटिश सेना की ज़रूरतों से था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

शिमला के एक औपनिवेशिक मकान का चित्र
यह सर जॉन मार्शल का आवास था।

Simla (present-day Shimla) was founded during the course of the Gurkha War (1815-16); the Anglo-Maratha War of 1818 led to British interest in Mount Abu; and Darjeeling was wrested from the rulers of Sikkim in 1835.

सिमला (वर्तमान शिमला) की स्थापना गुरखा यु्द्ध (**1815 - 1816**) के दौरान की गई। अंग्रेज़-मराठा (**1818**) यु्द्ध के कारण अंग्रेज़ों की दिलचस्पी माउंट आबू में बनी जबकि दार्जीलिंग को **1835** में सिक्किम के राजाओं से छीना गया था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Hill stations became strategic places for billeting troops, guarding frontiers and launching campaigns against enemy rulers.

य हिल स्टेशन फ़ौजियों को ठहराने, सरहद की चौकसी करने और दुश्मन के ख़िलाफ़ हमला बोलने के लिए महत्त्वपूर्ण स्थान थे।

The temperate and cool climate of the Indian hills was seen as an advantage, particularly since the British associated hot weather with epidemics.

भारतीय पहाड़ों की मृदु और ठंडी जलवायु को फायदे की चीज़ माना जाता था, ख़ासतौर से इसलिए कि अंग्रेज़ गर्म मौसम को बीमारियां पैदा करने वाला मानते थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES औपनिवेशक शहर

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

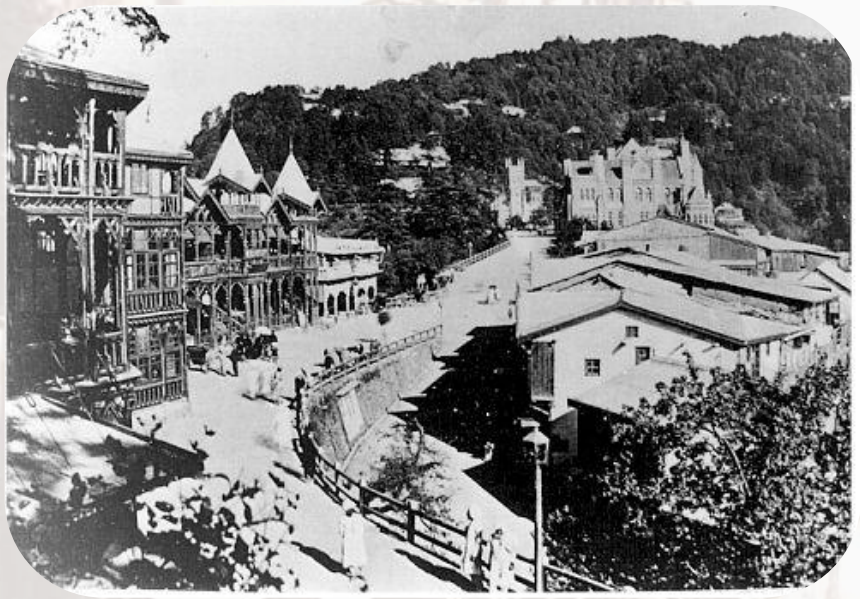

These hill stations were also developed as sanitariums, i.e., places where soldiers could be sent for rest and recovery from illnesses.

इन हिल स्टेशनों को सेनेटोरियम के रूप में भी विकसित किया गया था। सिपाहियों को यहां विश्राम करने और इलाज कराने के लिए भेजा जाता था।

Because the hill stations approximated the cold climates of Europe, they became an attractive destination for the new rulers.

क्योंकि हिल स्टेशनों की जलवायु यूरोप की ठंडी जलवायु से मिलती-जुलती थी इसलिए नय शासकों को वहां की आबो-हवा काफ़ी लुभाती थी

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशिक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

मनाली, हिमाचल प्रदेश का एक गाँव
यद्यपि अंग्रेज़ों ने पहाड़ों में भी औपनिवेशिक स्थापत्य शैलियों का इस्तेमाल किया लेकिन स्थानीय लोग पहले की तरह ही रहते रहे।

In 1864 the Viceroy John Lawrence officially moved his council to Simla, setting seal to the practice of shifting capitals during the hot season. Simla also became the official residence of the commander-in-chief of the Indian army.

1864 में वायसराय जॉन लॉरेंस ने अधिकृत रूप से अपनी काउंसिल शिमला में स्थानांतरित कर दी और इस तरह गर्म मौसम में राजधानियां बदलने के सिलसिले पर विराम लगा दिया। शिमला भारतीय सेना के कमांडर इन चीफ़ (प्रधान सेनापति) का भी अधिकृत आवास बन गया।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

The buildings were deliberately built in the European style. Individual houses followed the pattern of detached villas and cottages set amidst gardens.

उनकी इमारतें यूरोपीय शैली की होती थीं। अलग-अलग मकानों के बाद एक-दूसरे से कटे विला और बागों के बीच में स्थित कॉटेज बनाए जाते थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

The Anglican Church and educational institutions represented British ideals. Even recreation activities came to be shaped by British cultural traditions. Thus social calls, teas, picnics, fetes, races and visits to the theatre became common among colonial officials in the hill stations.

एंग्लिकन चर्च और शैक्षणिक संस्थान आंग्ल आदर्शों का प्रतिनिधित्व करते थे। सामाजिक दावत, चाय, बैठक, पिकनिक, रात्रिभोज, मेले, रेस और रंगमंच जैसी घटनाओं के रूप में यूरोपीयों का सामाजिक जीवन भी एक ख़ास क़िस्म का था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

The introduction of the railways made hill stations more accessible to a wide range of people including Indians.

रेलवे के आने से य पर्वतीय सैरगाहें बहुत तरह के लोगों की पहुँच में आ गइं। अब भारतीय भी वहां जाने लगे।

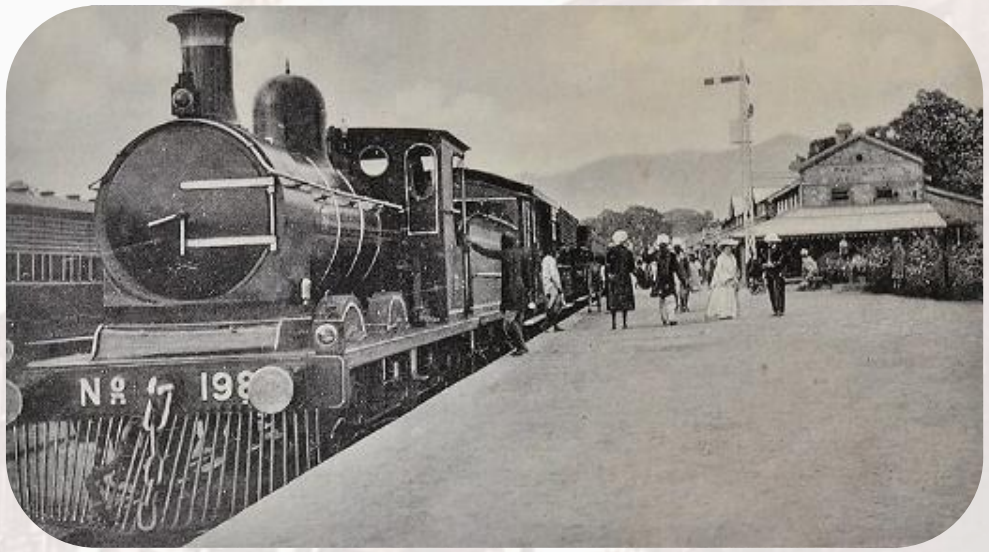

Upper-and middle-class Indians such as maharajas, lawyers and merchants were drawn to these stations because they afforded them a close proximity to the ruling British elite.

उच्च और मध्यवर्गीय लोग, महाराजा, वकील और व्यापारी सैर-सपाटे के लिए इन स्थानों पर जाने लगे। वहां उन्हें शासक यूरोपीय अभिजन के निकट होने का संतोष मिलता था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Hill stations were important for the colonial economy. With the setting up of tea and coffee plantations in the adjoining areas, an influx of immigrant labour from the plains began.

हिल स्टेशन औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्त्वपूर्ण थे। इनके पास के इलाक़ों में चाय और कॉफ़ी बगानों की स्थापना से मैदानी इलाक़ों से बड़ी संख्या में मज़दूर वहां आने लगे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES
URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर
नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖ **Social life in the new cities**

❖ नए शहरों में सामाजिक जीवन

कलकत्ता में एक सड़क पर चलती ट्राम गाड़ियाँ।

For the Indian population, the new cities were bewildering places where life seemed always in a flux. There was a dramatic contrast between extreme wealth and poverty.

साधारण भारतीय आबादी के लिए नए शहर दाँतों तले उँगली दबा लेने का अनुभव थे जहां ज़िंदगी हमेशा दौड़ती-भागती सी दिखाई देती थी। वहां चरम संपन्नता और गहन ग़रीबी, दोनों के दर्शन एक साथ होते थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Over time there was a gradual separation of the place of work from the place of residence. Travelling from home to office or the factory was a completely new kind of experience.

समय के साथ काम की जगह और रहने की जगह, दोनों एक-दूसरे से अलग होते गए। घर से दफ्तर या फ़ैक्ट्री जाना एक नए क़िस्म का अनुभव बन गया।

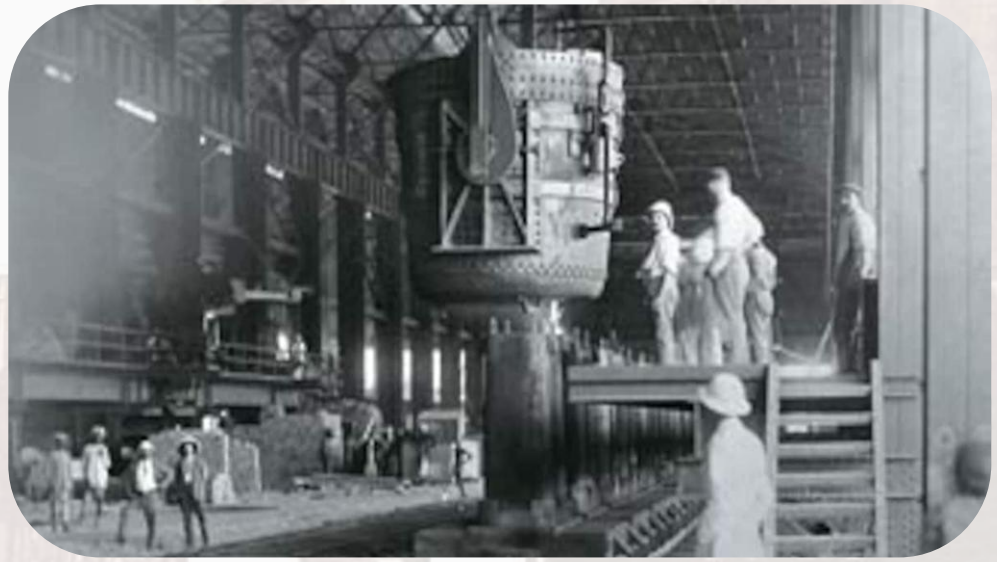

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES औपनिवेशक शहर

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Within the cities new social groups were formed and the old identities of people were no longer important. All classes of people were migrating to the big cities.

शहरों में नए सामाजिक समूह बने तथा लोगों की पुरानी पहचानें महत्त्वपूर्ण नहीं रहीं। तमाम वर्गों के लोग बड़े शहरों में आने लगे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

There was an increasing demand for clerks, teachers, lawyers, doctors, engineers and accountants. As a result the "middle classes" increased. They had access to new educational institutions such as schools, colleges and libraries.

क्लर्कों, शिक्षकों, वकीलों, डॉक्टरों, इंजीनियरों, अकाउंटेंट्स की माँग बढ़ती जा रही थी। नतीजा, 'मध्यवर्ग' बढ़ता गया। उनके पास स्कूल, कॉलेज और लाइब्रेरी जैसे नए शिक्षा संस्थानों तक अच्छी पहुँच थी।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Social customs, norms and practices came to be questioned.

सामाजिक रीति-रिवाज, क़ायदे-कानून और तौर-तरीकों पर सवाल उठने लगे।

Social changes did not happen with ease. Cities, for instance, offered new opportunities for women.

लेकिन बहुत सारे सामाजिक बदलाव स्वाभाविक रूप से या आसानी से नहीं आ रहे थे। शहरों में औरतों के लिए नए अवसर थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Middle-class women sought to express themselves through the medium of journals, autobiographies and books. But many people resented these attempts to change traditional patriarchal norms.

पत्र-पत्रिकाओं, आत्मकथाओं और पुस्तकों के माध्यम से मध्यवर्गीय औरतें ख़ुद को अभिव्यक्त करने का प्रयास कर रही थीं। परंपरागत पितृसत्तात्मक कायदे-कानूनों को बदलने की इन कोशिशों से बहुत सारे लोगों को असंतोष था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Conservatives feared that the education of women would turn the world upside down, and threaten the basis of the entire social order.

रूढ़िवादी को भय था कि अगर औरतें पढ़-लिख गइं तो वे दुनिया को उलट कर रख देंगी और पूरी सामाजिक व्यवस्था का आधार ख़तरे में पड जाएगा।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Even reformers who supported women's education saw women primarily as mothers and wives, and wanted them to remain within the enclosed spaces of the household.

यहां तक कि महिलाओं की शिक्षा का समर्थन करने वाले सुधारक भी औरतों को मां और पत्नी की परंपरागत भूमिकाओं में ही देखते थे और चाहते थे कि वे घर की चारदीवारी के भीतर ही रहें।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Over time, women became more visible in public, as they entered new professions in the city as domestic and factory workers, teachers, and theatre and film actresses.

समय बीतने के साथ सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की उपस्थिति बढ़ने लगी। वे नौकरानी और फ़ैक्ट्री मज़दूर, शिक्षिका, रंगकमी और फ़िल्म कलाकार के रूप में शहर के नए व्यवसायों में दाख़िल होने लगीं।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

उन्नीसवीं सदी के आख़िर की एक कालीघट पेंटिंग।

स्त्री सत्ता के बारे में पुरुषों की बेचैनी को अकसर एक ऐसी तसवीर के ज़रिए दर्शाया जाता था जिसमें औरत एक जादूगरनी के भेष में आदमी को भेड़ बना देती है। जैसे-जैसे औरतें पढ़-लिख कर अपने घर की चारदीवारी से निकलने लगीं, लोकप्रिय तसवीरों में औरतों की ऐसी छवियाँ खूब दिखाई देने लगीं।

But for a long time women who moved out of the household into public spaces remained the objects of social censure.

लेकिन एसी महिलाओं को लंबे समय तक सामाजिक रूप से सम्मानित नहीं माना जाता था जो घर से निकलकर सार्वजनिक स्थानों में जा रही थीं।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Another new class within the cities was the labouring poor or the working class.

शहरों में मेहनतकश ग़रीबों या कामगारों का एक नया वर्ग उभर रहा था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Some saw cities as places of opportunity; others were attracted by the allure of a different way of life, by the desire to see things they had never seen before. To minimise costs of living in the city, most male migrants left their families behind in their village homes.

कुछ लोगों को शहर नए अवसरों का स्रोत दिखाई देते थे। कुछ को एक भिन्न जीवनशैली का आकर्षण खींच रहा था। उनके लिए यह एक एसी चीज़ थी जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखी थी। शहर में जीने की लागत पर अंकुश रखने के लिए ज़्यादातर पुरुष प्रवासी अपना परिवार गाँव में छोड़कर आते थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Life in the city was a struggle: jobs were uncertain, food was expensive, and places to stay were difficult to afford.

शहर की ज़िंदगी एक संघर्ष थी : नौकरी पक्की नहीं थी, खाना मँहगा था, रिहाइश का ख़र्चा उठाना मुश्किल था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖ Amar Katha (My Story)

Binodini Dasi (1863-1941) was a pioneering figure in Bengali theatre in the late nineteenth and early twentieth centuries and worked closely with the dramatist and director Girish Chandra Ghosh (1844-1912).

❖ आमार कथा (मेरी कहानी)

विनोदिनी दासी (**1863 - 1941**) बंगाली रंगमच में उन्नीसवीं सदी के आखिर और बीसवीं सदी के शुरुआती दशकों की जानी-मानी हस्ती थीं। उन्होंने नाटककार और निर्देशक गिरिश चंद्र घोष (**1844 - 1912**) के साथ काफ़ी काम किया।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

She was one of the prime movers behind the setting up of the Star Theatre (1883) in Calcutta which became a centre for famous productions. Between 1910 and 1913 she serialised her autobiography, Amar Katha (My Story).

स्टार थिएटर, कलकत्ता की स्थापना (1883) के पीछे उनका मुख्य हाथ था। यह थिएटर बाद में कई प्रसिद्ध नाटकों के लिए जाना गया। 1910 से 1913 के बीच उन्होंने आमार कथा के नाम से क़िस्तों में अपनी आत्मकथा लिखी। वह एक ज़बरदस्त व्यक्तित्व वाली महिला थीं।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

A remarkable personality, she exemplified the problem women faced in recasting their roles in society. She was a professional in the city, working in multiple spheres – as an actress, institution builder and author – but the patriarchal society of the time scorned her assertive public presence.

उन्होंने समाज में औरतों की समस्याओं पर केंद्रित कई भूमिकाएँ निभाई। वह अभिनेत्री, संस्था निर्माता और लेखिका, कई भूमिकाएँ एक साथ निभाती थीं लेकिन उस समय के पितृसत्तात्मक समाज ने सार्वजनिक दायरे में उनकी उपस्थिति को कभी पसंद नहीं किया।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES औपनिवेशक शहर

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖Through the eyes of poor migrants

This is a swang that was popular amongst the inhabitants of Jelepara (Fishermen's quarter), Calcutta, in the early twentieth century:

❖ मछुआरों की नज़र से

यह बीसवीं सदी की शुरुआत में जेलेपाड़ा (मछुआरों के क्वार्टर), कलकत्ता के लोगों में प्रचलित एक स्वांग का हिस्सा है :

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

With anticipation in my heart I came to Calcutta
And what entertaining things I could see here!
The Arya Samaj, Brahmo Samaj, church and mosque –
In one vessel you get everything – milk, water and all
All men big and small show their teeth,
And with a flourish they speak in English.

दिल–मे एक भावना से कलकत्ता–मे आया
कैसन कैसन मजा हम हिया देखने पाया
अरि–समाज, ब्रह्म–समाज, गिरजा, महजिद
एक लोटा–मे मिलता दूध, पानी, सब चीज
छोटा, बड़ा आदमी सब बाहर करके दात
झापड मार के बोलता है अंग्रेज़ी–मे बात।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖ **Seg regation, Town Planning and Architecture (Madras, Calcutta and Bombay)**

❖ पृथक्करण, नगर नियोजन और भवन निर्माण (मद्रास, कलकत्ता और बम्बई)

Madras, Calcutta and Bombay gradually developed into the biggest cities of colonial India. We have been examining some of the distinctive features of these cities in the preceding sections.

यद्यपि मद्रास, कलकत्ता और बम्बई, तीनों औपनिवेशिक शहर पहले के भारतीय क़स्बों और शहरों से अलग थे लेकिन उनमें कुछ साझे तत्त्व थे और उनके भीतर कुछ अनूठी बातें पैदा हो चुकी थीं।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖ Settlement and segregation in Madras

❖ मद्रास में बसावट और पृथक्करण

The search for textiles brought British merchants to the east coast. In 1639 they constructed a trading post in Madraspatam. This settlement was locally known as Chenapattanam.

वस्त्र उत्पादों की खोज में अंग्रेज़ व्यापारी पूर्वी तट पर जा पहुँचे। **1639** में उन्होंने मद्रासपटम में एक व्यापारिक चौकी बनाई। इस बस्ती को स्थानीय लोग चेनापट्टनम कहते थे।

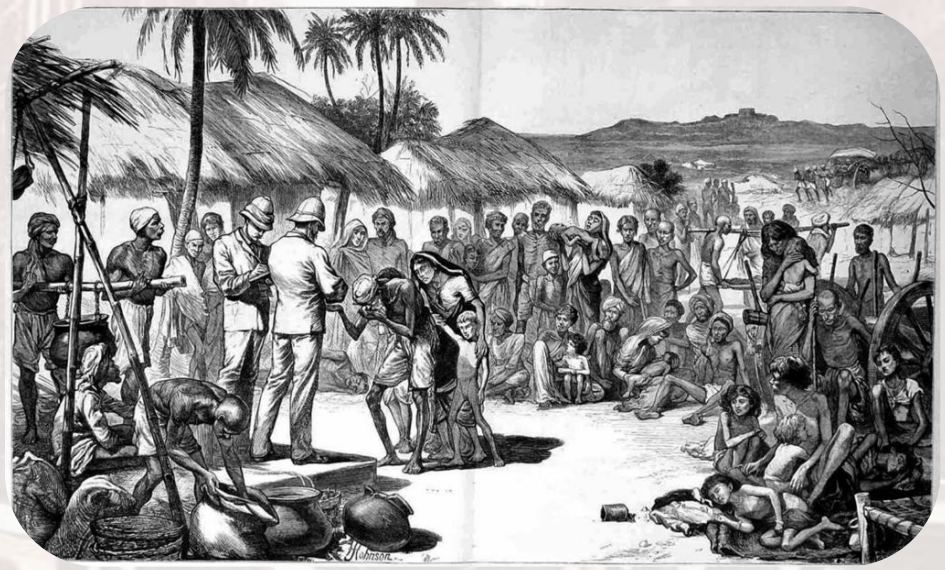

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

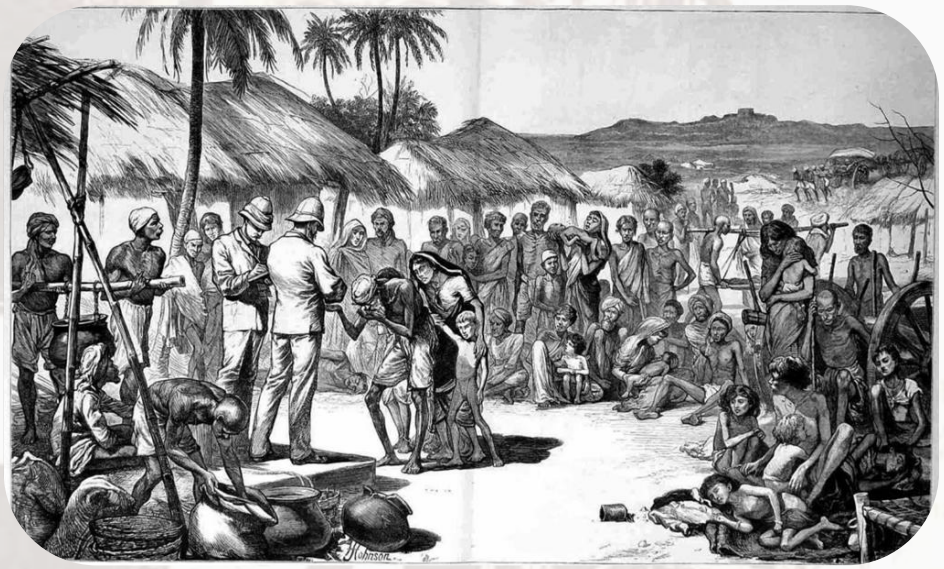

The Company had purchased the right of settlement from the local Telugu lords, the Nayaks of Kalahasti, who were eager to support trading activity in the region.

कंपनी ने वहां बसने का अधिकार स्थानीय तेलुगू सामंतों, कालाहस्ती के नायकों से ख़रीदा था जो अपने इलाक़े में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ाना चाहते थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Rivalry (1746-63) with the French East India Company led the British to fortify Madras and give their representatives increased political and administrative functions. With the defeat of the French in 1761, Madras became more secure and began to grow into an important commercial town.

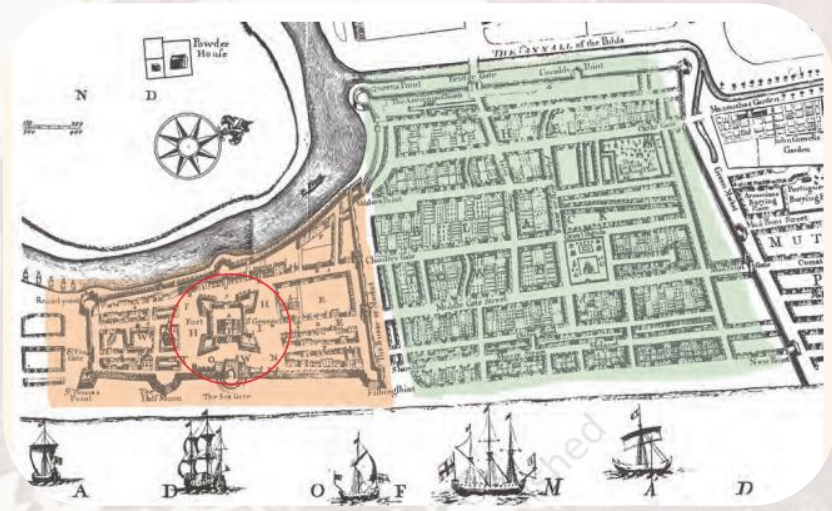

फ्रेंच ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ प्रतिद्वंद्विता (1746 - 63) के कारण अंग्रेज़ों को मद्रास की किलेबंदी करनी पड़ी और अपने प्रतिनिधियों को ज़्यादा राजनीतिक व प्रशासकीय ज़िम्मेदारियां सौंप दीं। 1761 में फ़्रांसीसियों की हार के बाद मद्रास और सुरक्षित हो गया। वह एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक शहर के रूप में विकसित होने लगा।

मद्रास का नक़्शा

फ़ोर्ट सेंट जॉर्ज के इर्द-गिर्द बना व्हाइट टाउन बाएँ सिरे पर तथा पुराना ब्लैक टाउन दाहिने सिरे पर है। फ़ोर्ट सेंट जॉर्ज घेरे में स्थित है। ध्यान से देखिए कि ब्लैक टाउन को किस तरह बसाया गया था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

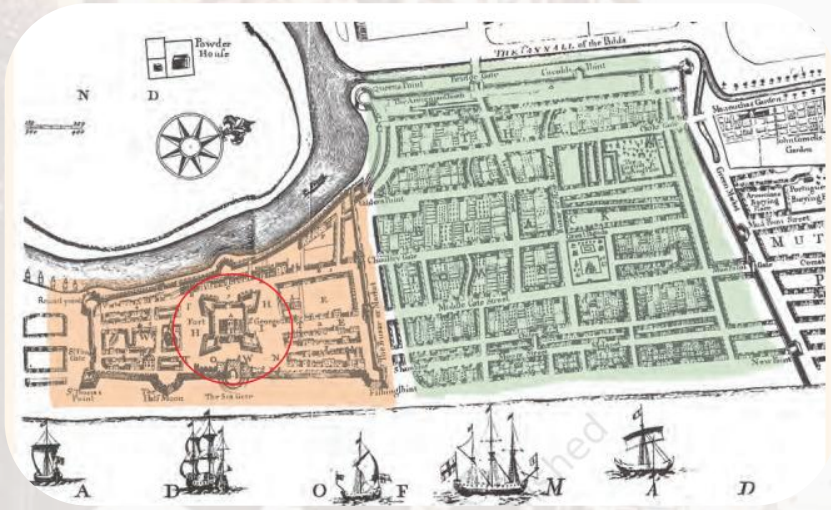

मद्रास का नक़्शा

फ़ोर्ट सेंट जॉर्ज के इर्द-गिर्द बना व्हाइट टाउन बाएँ सिरे पर तथा पुराना ब्लैक टाउन दाहिने सिरे पर है। फ़ोर्ट सेंट जॉर्ज घेरे में स्थित है। ध्यान से देखिए कि ब्लैक टाउन को किस तरह बसाया गया था।

Fort St George became the nucleus of the White Town where most of the Europeans lived. Walls and bastions made this a distinct enclave.

फ़ोर्ट सेंट जॉर्ज (सेंट जॉर्ज किला) व्हाइट टाउन का केंद्रक बन गया जहां ज़्यादातर यूरोपीय रहते थे। दीवारों और बुर्जों ने इसे एक ख़ास क़िस्म की घेरेबंदी का रूप दे दिया था।

The administrative and judicial systems also favoured the white population.

प्रशासकीय और न्यायिक व्यवस्था की संरचना भी गोरों के पक्ष में थी।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

The Black Town developed outside the Fort. It was laid out in straight lines, a characteristic of colonial towns.

ब्लैक टाउन क़िले के बाहर विकसित हुआ। इस आबादी को भी सीधी कतारों में बसाया गया था जोकि औपनिवेशिक शहरों की विशिष्टता थी।

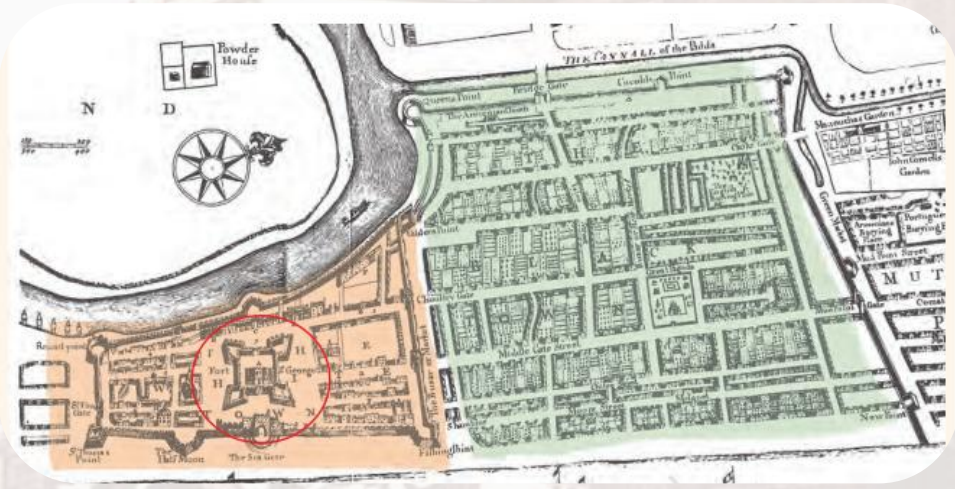

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

A new Black Town developed further to the north. This housed weavers, artisans, middlemen and interpreters who played a vital role in the Company trade.

इसके बाद उत्तर की दिशा में दूर जाकर एक नया ब्लैक टाउन बसाया गया। इस बस्ती में बुनकरों, कारीगरों, बिचौलियों और दुभाषियों को रखा गया था जो कंपनी के व्यापार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते थे।

ब्लैक टाउन, मद्रास का एक हिस्सा, टॉमस एवं विलियम डेनियल द्वारा चित्रित, ओरिएंटल सीनरी में प्रकाशित डेनियल के एक रेखाचित्र पर आधारित, 1798

पुराने ब्लैक टाउन को ढहाकर यह खुला मैदान तैयार किया गया था। मूल रूप से इसे गोलीबारी में सुविधा के लिए साफ़ किया गया था लेकिन बाद में हरे मैदान के रूप में छोड़ दिया गया। क्षितिज पर आप किले से दूर विकसित हो रहे नए ब्लैक टाउन की झलक देख सकते हैं।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

The new Black Town resembled traditional Indian towns, with living quarters built around its own temple and bazaar.

नया ब्लैक टाउन परंपरागत भारतीय शहरों जैसा था। वहां मंदिर और बाज़ार के इर्द-गिर्द रिहाइशी मकान बनाए गय थे।

Madras developed by incorporating innumerable surrounding villages and by creating opportunities and spaces for a variety of communities.

मद्रास को बहुत सारे गाँवों को मिला कर विकसित किया गया था। यहां विविध समुदायों के लिए अवसरों और स्थानों का प्रबंध था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Several different communities came and settled in Madras, performing a range of economic functions.

नाना प्रकार के आर्थिक कार्य करने वाले कई समुदाय आए और मद्रास में ही बस गए।

The dubashes were Indians who could speak two languages – the local language and English.

दुबाश एसे भारतीय लोग थे जो स्थानीय भाषा और अंग्रेज़ी, दोनों को बोलना जानते थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES
URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर
नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

They worked as agents and merchants, acting as intermediaries between Indian society and the British.

वे एजेंट और व्यापारी के रूप में काम करते थे और भारतीय समाज व गोरों के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाते थे।

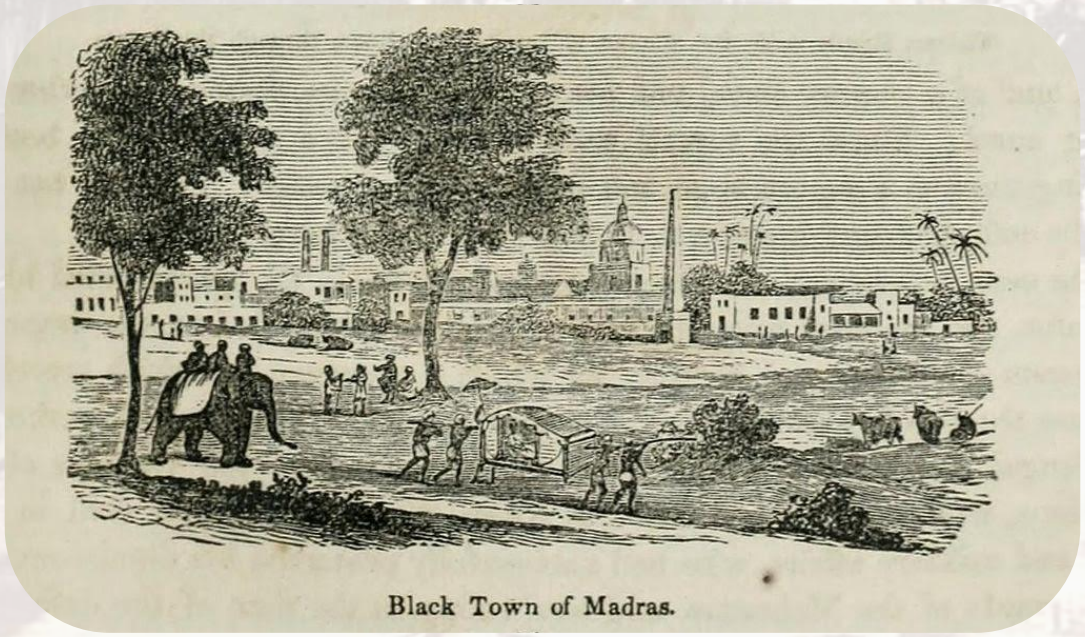

Black Town of Madras.

Their powerful position in society was established by their charitable works and patronage of temples in the Black Town.

ब्लैक टाउन में परोपकारी कार्यों और मंदिरों को संरक्षण प्रदान करने से समाज में उनकी शक्तिशाली स्थिति स्थापित होती थी।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

With the spread of English education in the nineteenth century, Brahmins started competing for similar positions in the administration.

उन्नीसवीं सदी में अंग्रेज़ी शिक्षा के प्रसार से ब्राह्मण भी शासकीय महकमों में इसी तरह के पदों के लिए ज़ोर लगाने लगे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES
URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर
नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Nawab of Arcot

Gujarati bankers had also been present since the eighteenth century.

अठाहरवीं सदी से गुजराती बैंकर भी यहां मौजूद थे।

The Nawab of Arcot settled in nearby Triplicane which became the nucleus of a substantial Muslim settlement.

आरकोट के नवाब पास ही स्थित ट्रिप्लीकेन में जा बसे थे जो एक अच्छी-ख़ासी मुस्लिम आबादी का केंद्र बन गया।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Mylapore and Triplicane were earlier Hindu religious centres that supported a large group of Brahmins.

इससे पहले माइलापुर और ट्रिप्लीकेन हिंदू धार्मिक केंद्र थे जहां अनेक ब्राह्मणों को भरण-पोषण मिलता था।

San Thome with its cathedral was the centre for Roman Catholics.

सान थोम और वहां का गिरजा रोमन कैथलिक समुदाय का केंद्र था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES
URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर
नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

पूनामाली रोड पर बना एक गार्डन हाउस

All these settlements became part of Madras city. Thus the incorporation of many villages made Madras a city of wide expanse and low density.

य सभी बस्तियां मद्रास शहर का हिस्सा बन गईं। इस प्रकार, बहुत सारे गाँवों को मिला लेने से मद्रास दूर तक फैली अल्प सघन आबादी वाला शहर बन गया।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Pet is a Tamil word meaning settlement, while puram is used for a village.

पेठ एक तमिल शब्द है जिसका मतलब होता है बस्ती, जबकि पुरम शब्द गाँव के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖A rural city?

Read this excerpt on Madras from the Imperial Gazetteer, 1908:

❖ एक देहाती शहर ?

मद्रास के बारे में इम्पीरियल गज़ेटियर, **1908** में छपे इस अंश को पढ़िए :

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

... the better European residences are built in the midst of compounds which almost attain the dignity of parks; and rice-fields frequently wind in and out between these in almost rural fashion. Even in the most thickly peopled native quarters such as Black Town and Triplicane, there is little of the crowding found in many other towns ...

... बेहतर यूरोपीय आवास परिसरों के बीच बनाए जाते हैं जिससे उनकी छवि लगभग पार्क जैसी बन जाती है : और इनके बीच तकरीबन गाँवों की तर्ज पर चावल के खेत आते-जाते रहते हैं। यहां तक कि ब्लैक टाउन और ट्रिप्लीकेन जैसी सबसे घनी आबादी वाली देशी बस्तियों में भी वैसी भीड-भाड नहीं दिखती जैसी बहुत सारी दूसरे शहरों में दिखाई देती है...।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖ Town planning in Calcutta

❖ कलकत्ता में नगर नियोजन

Modern town planning began in the colonial cities. This required preparation of a layout of the entire urban space and regulation of urban land use.

आधुनिक नगर नियोजन की शुरुआत औपनिवेशिक शहरों से हुई। इस प्रक्रिया में भूमि उपयोग और भवन निर्माण के नियमन के ज़रिए शहर के स्वरूप को परिभाषित किया गया।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Planning was usually inspired by a vision of what the city should look like, how it would be developed and the way in which spaces would be organised and ordered.

यह प्रक्रिया अकसर इस सोच से प्रेरित होती थी कि शहर कैसा दिखना चाहिए और उसे कैसे विकसित किया जाएगा। इस बात का भी ध्यान रखा जाता था कि विभिन्न स्थानों को कैसे व्यवस्थित करना चाहिए।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

The ideology of "development" that this vision reflected presumed exercise of state power over urban lives and urban spaces.

इस दृष्टि से "विकास" की सोच और विचारधारा प्रतिबिम्बित होती थी और उसका क्रियान्वयन ज़मीन, उसके बाशिंदों और संसाधनों पर नियंत्रण के ज़रिए किया जाता था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

In 1756, Sirajudaula, the Nawab of Bengal, attacked Calcutta and sacked the small fort which the British traders had built as their depot for goods.

1756 में बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला ने कलकत्ता पर हमला किया और अंग्रेज़ व्यापारियों द्वारा माल गोदाम के तौर पर बनाए गए छोटे किले पर क़ब्ज़ा कर लिया।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

They were reluctant to pay customs duties, and refused to comply with the terms on which they were expected to operate. So Sirajudaula wanted to assert his authority

वे न तो कस्टम ड्यूटी चुकाना चाहते थे और न ही नवाब द्वारा तय की गई कारोबार की शर्तों पर काम करना चाहते थे। सिराजुद्दौला अपनी ताकत का लोहा मनवाना चाहता था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Subsequently, in 1757, when Sirajudaula was defeated in the Battle of Plassey, the East India Company decided to build a new fort, one that could not be easily attacked. Calcutta had grown from three villages called Sutanati, Kolkata and Govindapur.

कुछ समय बाद, **1757** में प्लासी के युद्ध में सिराजुद्दौला की हार हुई। इसके बाद ईस्ट इंडिया कंपनी ने एक एसा नया किला बनाने का फ़ैसला लिया जिस पर आसानी से हमला न किया जा सके। कलकत्ता को सुतानाती, कोलकाता और गोविंदपुर, इन तीन गाँवों को मिला कर बनाया गया था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Once the British became more confident about their permanent presence in Calcutta, they started moving out of the Fort and building residences along the periphery of the Maidan.

जब अंग्रेज़ों को कलकत्ता में अपनी उपस्थिति स्थायी दिखाई देने लगी तो वे फ़ोर्ट से बाहर मैदान के किनारे पर भी आवासीय इमारतें बनाने लगे।

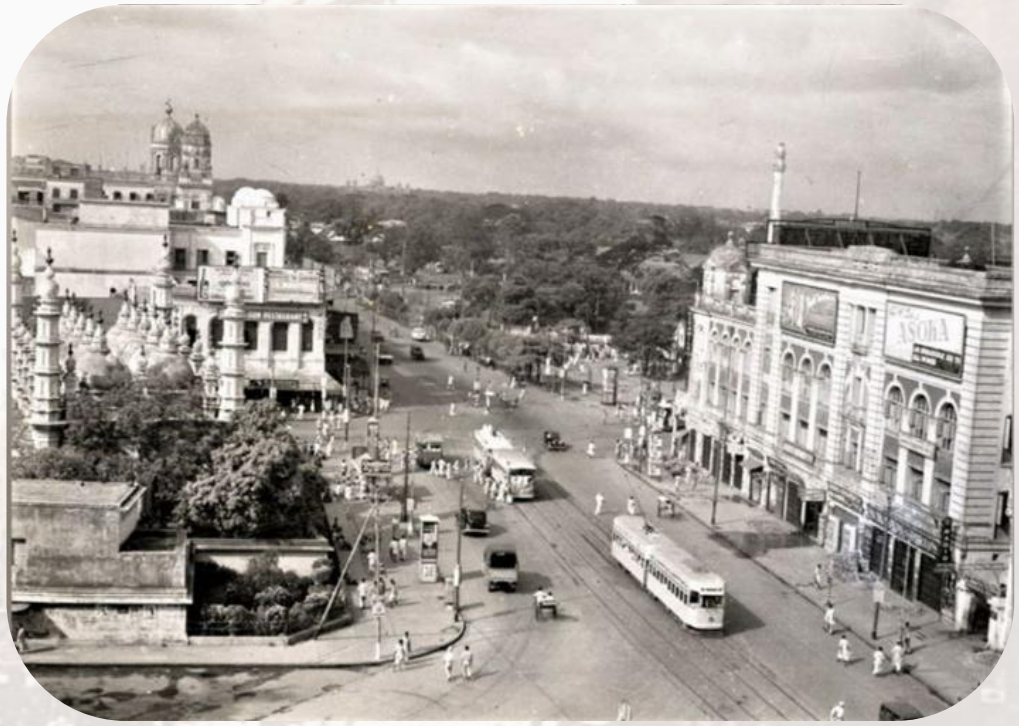

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

The history of town planning in Calcutta of course did not end with the building of Fort William and the Maidan. In 1798, Lord Wellesley became the Governor General.

कलकत्ता में नगर–नियोजन का इतिहास केवल फ़ोर्ट विलियम और मैदान के निर्माण के साथ पूरा होने वाला नहीं था। 1798 में लॉर्ड वेलेज़्ली गवर्नर जनरल बने।

गवर्नमेंट हाउस, कलकत्ता, चार्ल्स डी. ऑइली, 1848

गवर्नर जनरल का निवास गवर्नमेंट हाउस में हुआ करता था जिसे वेलेज़्ली ने ब्रिटिश राज की भव्यता के प्रतीक के रूप में बनवाया था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

He built a massive palace, Government House, for himself in Calcutta, a building that was expected to convey the authority of the British.

उन्होंने कलकत्ता में अपने लिए गवर्नमेंट हाउस के नाम से एक महल बनवाया। यह इमारत अंग्रेज़ों की सत्ता का प्रतीक थी।

गवर्नमेंट हाउस, कलकत्ता, चार्ल्स डी. ऑइली, 1848

गवर्नर जनरल का निवास गवर्नमेंट हाउस में हुआ करता था जिसे वेलेज़्ली ने ब्रिटिश राज की भव्यता के प्रतीक के रूप में बनवाया था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

He became concerned about the condition of the Indian part of the city – the crowding, the excessive vegetation, the dirty tanks, the smells and poor drainage.

कलकत्ता में आ जमने के बाद वेलेज़्ली शहर के हिन्दुस्तानी आबादी वाले हिस्से की भीड-भाड, ज़रूरत से ज़्यादा हरियाली, गंदे तालाबों, सड़ांध और निकासी की ख़स्ता हालत को देखकर परेशान हो उठा।

COLONIAL CITIES
URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर
नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

These conditions worried the British because they believed at the time that poisonous gases from marshlands and pools of stagnant water were the cause of most diseases.

अंग्रेज़ों को इन चीज़ों से इसलिए परेशानी थी क्योंकि उनका मानना था कि दलदली ज़मीन और ठहरे हुए पानी के तालाबों से ज़हरीली गैसें निकलती हैं जिनसे बीमारियां फैलती हैं।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES
URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर
नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

The tropical climate itself was seen as unhealthy and enervating.

उष्णकटिबंधीय जलवायु को वैसे भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक और शक्ति का क्षय करने वाला माना जाता था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Many bazaars, ghats, burial grounds, and tanneries were cleared or removed. From then on the notion of "public health" became an idea that was proclaimed in projects of town clearance and town planning.

बहुत सारे बाज़ारों, घाटों, कब्रिस्तानों और चर्मशोधन इकाइयों को साफ़ किया गया या हटा दिया गया। इसके बाद "जनस्वास्थ्य" एक एसा विचार बन गया जिसकी शहरों की सफ़ाई और नगर-नियोजन परियोजनाओं में बार-बार दुहाई दी जाने लगी।

कलकत्ता में चितपुर रोड की तरफ़ जाते हुए रास्ते में पड़ने वाला एक बाज़ार

शहर के स्थानीय समुदायों के लिए बाज़ार व्यावसायिक और सामाजिक, दोनों तरह के विनिमय का स्थान था। यूरोप के लोग बाज़ार को देखकर आकर्षित भी होते थे लेकिन उसे भीड़ भरा और गंदा भी मानते थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

After Wellesley's departure the work of town planning was carried on by the Lottery Committee (1817) with the help of the government.

वेलेज़्ली की विदाई के बाद नगर-नियोजन का काम सरकार की मदद से लॉटरी कमेटी (**1817**) ने जारी रखा।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

The Lottery Committee commissioned a new map of the city so as to get a comprehensive picture of Calcutta.

लॉटरी कमेटी ने शहर का एक नया नक्शा बनवाया जिससे कलकत्ता की एक मुकम्मल तसवीर सामने आ सके।

Among the Committee's major activities was road building in the Indian part of the city and clearing the river bank of "encroachments".

कमेटी की प्रमुख गतिविधियों में शहर के हिंदुस्तानी आबादी वाले हिस्से में सड़क-निर्माण और नदी किनारे से "अवैध क़ब्ज़े" हटाना शामिल था।

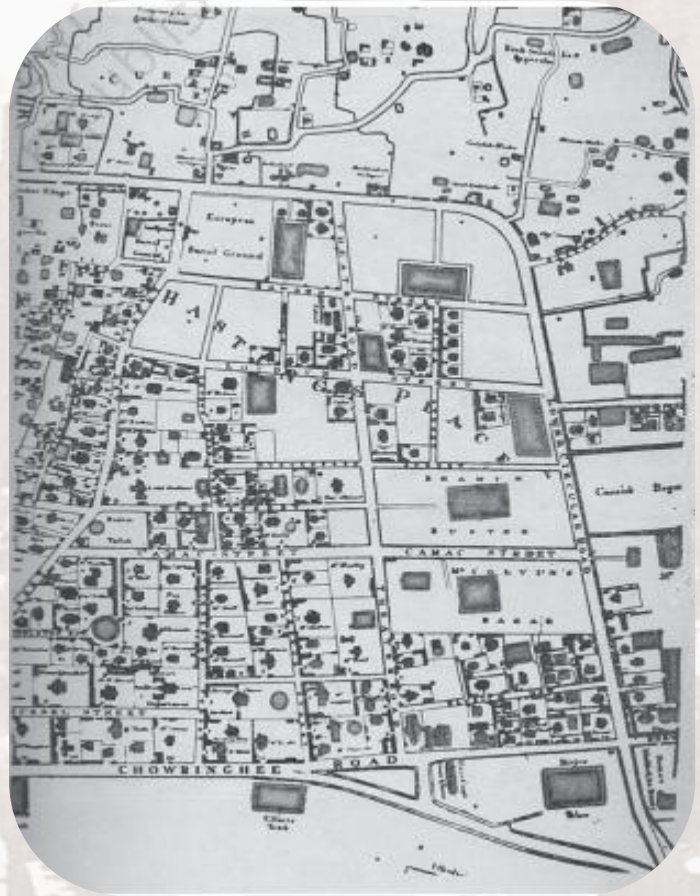

लॉटरी कमेटी सुधारों के बाद कलकत्ता में यूरोपीय टाउन का एक भाग

यहाँ आप विशाल परिसरों में यूरोपीय मकान देख सकते हैं। जे.ए. शाल्च द्वारा बनाई गई योजना से (1825)।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

In its drive to make the Indian areas of Calcutta cleaner, the committee removed many huts and displaced the labouring poor, who were now pushed to the outskirts of Calcutta.

शहर के भारतीय हिस्से को साफ़-सुथरा बनाने की मुहिम में कमेटी ने बहुत सारी झोंपडियों को साफ़ कर दिया और मेहनतकश ग़रीबों को वहां से बाहर निकाल दिया। उन्हें कलकत्ता के बाहरी किनारे पर जगह दी गई।

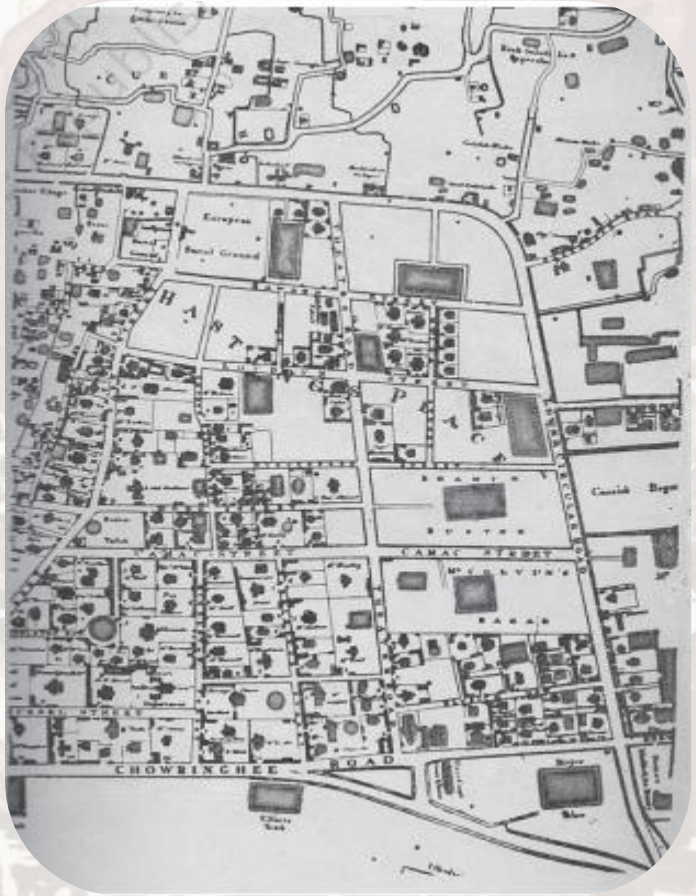

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES
URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर
नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

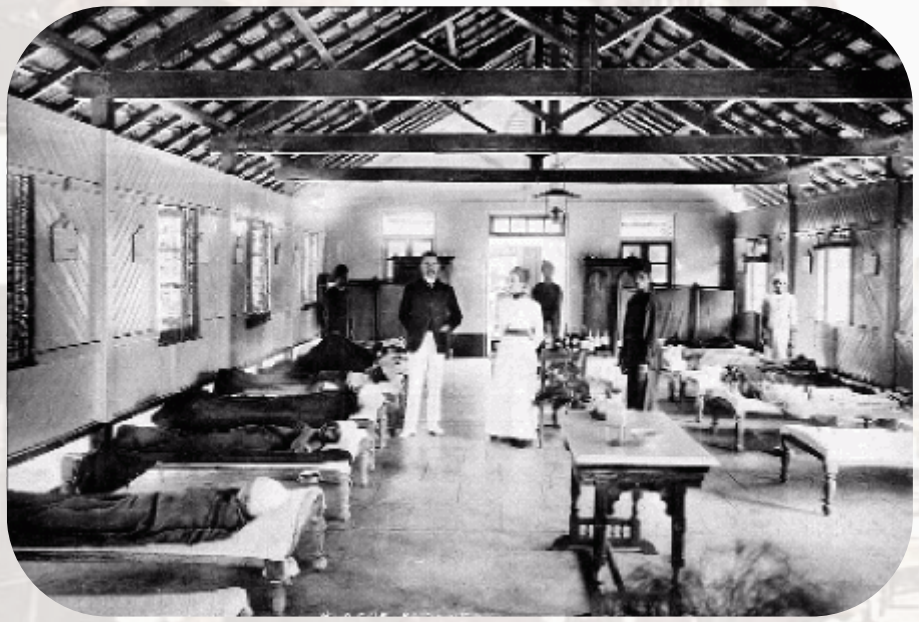

The threat of epidemics gave a further impetus to town planning in the next few decades.

अगले कुछ दशकों में महामारी की आशंका से नगर–नियाजन की अवधारणा को और बल मिला।

Cholera started spreading from 1817 and in 1896 plague made its appearance.

1817 में हैजा फैलने लगा और **1896** में प्लेग ने शहर को अपनी चपेट में ले लिया।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES
URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर
नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

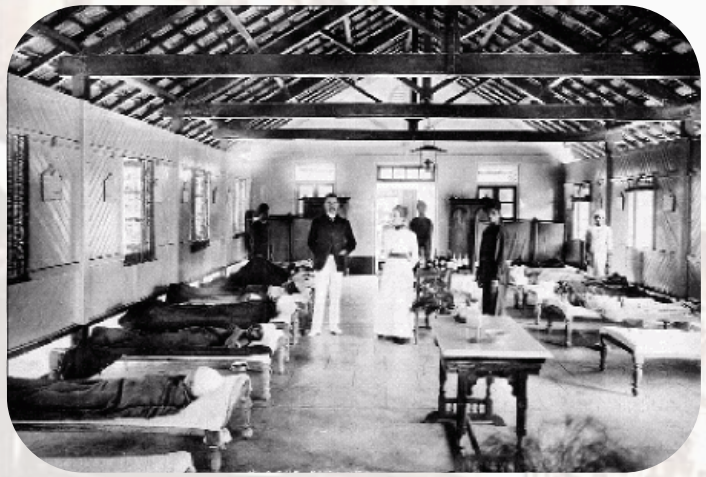

The cause of these diseases had not yet been established firmly by medical science.

चिकित्सा विज्ञान अभी इन बीमारियों की वजह स्पष्ट नहीं कर पाया था।

Such views were supported by prominent Indian merchants in the city, such as Dwarkanath Tagore and Rustomjee Cowasjee, who felt that Calcutta needed to be made more healthy.

इस सोच को द्वारकानाथ टैगोर और रूस्तमजी कोवासजी जैसे शहर के जाने-माने हिंदुस्तानियों का समर्थन हासिल था। उन लोगों का मानना था कि कलकत्ता को और ज़्यादा स्वास्थ्यकर बनाना ज़रूरी है।

Dwarkanath Tagore

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES
URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर
नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

By the late nineteenth century, official intervention in the city became more stringent.

उन्नीसवीं सदी आते-आते शहर में सरकारी दखलंदाज़ी और ज़्यादा सख्त हो चुकी थी।

Instead, the government took over all the initiatives for town planning including funding.

वित्तपोषण (फंडिग) सहित नगर-नियोजन के सारे आयामों को सरकार ने अपने हाथों में ले लिया।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

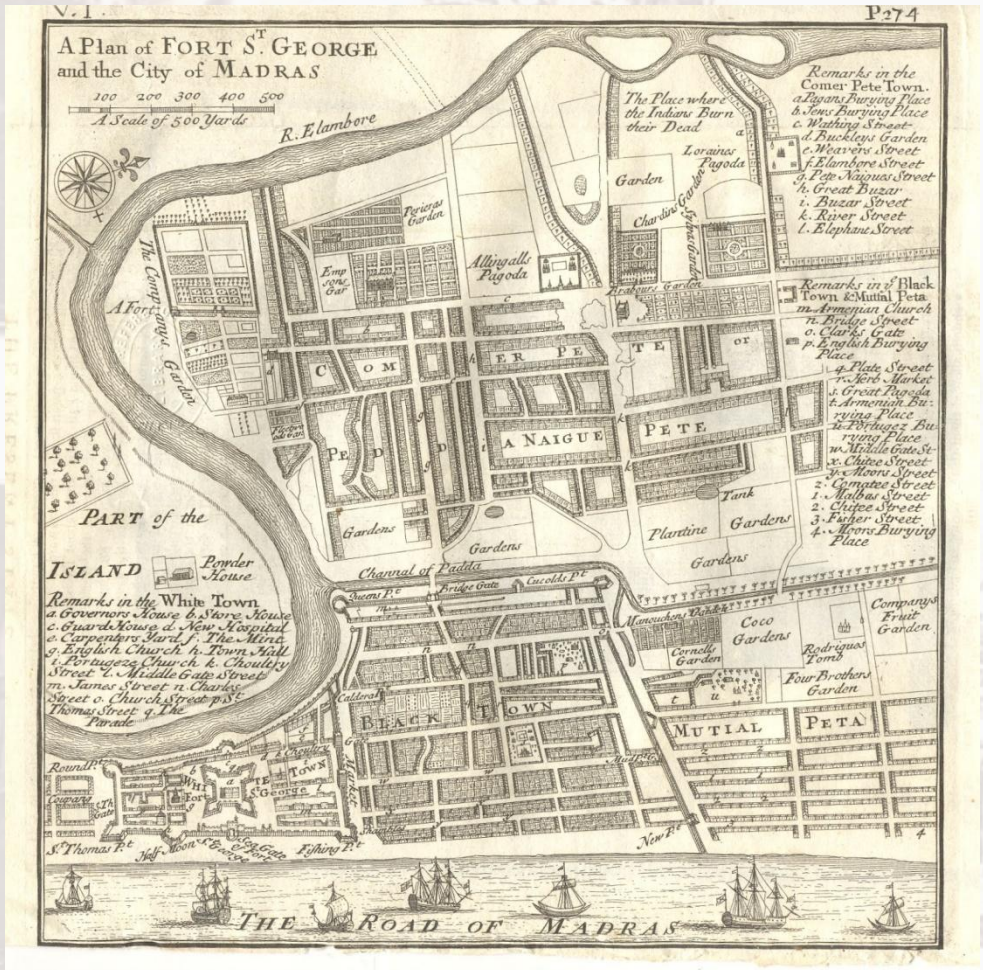

The existing racial divide of the "White Town" and "Black Town" was reinforced by the new divide of "healthy" and "unhealthy".

"स्वाथ्यकर" और "अस्वास्थ्यकर" के नए विभेद के सहारे "व्हाइट" और "ब्लैक" टाउन वाले नस्ली विभाजन को और बल मिला।

Indian representatives in the municipality protested against this unfair bias towards the development of the European parts of the town.

नगर निगम में मौजूद भारतीय नुमाइंदों ने शहर के यूरोपीय आबादी वाले इलाक़ों के विकास पर ज़रूरत से ज़्यादा ध्यान दिए जाने का विरोध किया।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

कलकत्ता की एक बस्ती

With the growth of their empire, the British became increasingly inclined to make cities like Calcutta, Bombay and Madras into impressive imperial capitals

जैसे-जैसे ब्रिटिश साम्राज्य फैला, अंग्रेज़ कलकत्ता, बम्बई और मद्रास जैसे शहरों को शानदार शाही राजधानियों में तब्दील करने की कोशिश करने लगे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖"For the regulation of nuisances of every description"

By the early nineteenth century the British felt that permanent and public rules had to be formulated for regulating all aspects of social life.

❖"हर तरह की गड़बडियों को नियंत्रित करने के लिए"

उन्नीसवीं सदी की शुरुआत में अंग्रेज़ों को यह महसूस होने लगा कि सामाजिक जीवन के सभी आयामों को नियंत्रित करने के लिए स्थायो और सार्वजनिक नियम बनाना जरूरी है।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES औपनिवेशक शहर

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Even the construction of private buildings and public roads ought to conform to standardised rules that were clearly codified. In his Minute on Calcutta (1803) Wellesley wrote:

यहां तक कि निजी इमारतों और सार्वजनिक सड़कों का निर्माण भी स्पष्ट रूप से संहिताबद्ध मानक नियमों के अनुसार होना आवश्यक था। वेलेज़्ली ने कलकत्ता मिनट्स (1803) में लिखा था :

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

It is a primary duty of Government to provide for the health, safety and convenience of the inhabitants of this great town, by establishing a comprehensive system for the improvement of roads, streets, public drains, and water courses, and by fixing permanent rules for the construction and distribution of the houses and public edifices, and for the regulation of nuisances of every description.

यह सरकार की बुनियादी ज़िम्मेदारी है कि वह इस विशाल शहर में सड़कों, नालियों और जलमार्गों में सुधार की एक समग्र व्यवस्था बनाकर तथा मकानों व सार्वजनिक भवनों के निर्माण व प्रसार के बारे में स्थायी नियम बनाकर और हर तरह की गड़बड़ियों को नियंत्रित करने के स्थायी नियम बनाकर यहां के निवासियों को स्वास्थ्य, सुरक्षा और सुविधा उपलब्ध कराए।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Busti (in Bengali and Hindi) originally meant neighbourhood or settlement. However, the British narrowed the sense of the word to mean makeshift huts built by the poor. In the late nineteenth century "bustis" and insanitary slums became synonymous in British records

बस्ती (बंगला और हिंदी) का मतलब मूल रूप से मोहल्ला या बसावट हुआ करता था। लेकिन अंग्रेज़ों ने इस शब्द का अर्थ संकुचित कर दिया और उसे गरीबों की कच्ची झोंपडियों के लिए इस्तेमाल किया जाने लगा। उन्नीसवीं सदी के आख़िर में ब्रिटिश दस्तावेज़ों में "बस्तियों" को गंदी झोंपड़पट्टियों के रूप में पेश किया जाने लगा।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवे शक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖Architecture in Bombay

❖बम्बई में भवन निर्माण

Buildings in cities could include forts, government offices, educational institutions, religious structures, commemorative towers, commercial depots, or even docks and bridges.

शहरों में बनने वाली इमारतों में क़िले, सरकारी दफ्तर, शैक्षणिक संस्थान, धार्मिक . इमारतें, स्मारकीय मीनारें, व्यावसायिक डिपो, यहां तक कि गोदियां और पुल, कुछ भी हो सकता था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

They were often meant to represent ideas such as imperial power, nationalism and religious glory.

अकसर य इमारतें शाही सत्ता, राष्ट्रवाद और धार्मिक वैभव जैसे विचारों का प्रतिनिधित्व भी करती थीं।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Bombay was initially seven islands. As the population grew, the islands were joined to create more space and they gradually fused into one big city. Bombay was the commercial capital of colonial India. As the premier port on the western coast it was the centre of international trade.

शुरुआत में बम्बई सात टापुओं का इलाका था। जैसे-जैसे आबादी बढ़ी, इन टापुओं को एक-दूसरे से जोड दिया गया ताकि ज़्यादा जगह पैदा की जा सके। इस तरह आख़िरकार य टापू एक-दूसरे से जुड गए और एक विशाल शहर अस्तित्व में आया। बम्बई औपनिवेशिक भारत की वाणिज्यिक राजधानी थी। पश्चिमी तट पर एक प्रमुख बंदरगाह होने के नाते यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का केंद्र था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

By the end of the nineteenth century, half the imports and exports of India passed through Bombay. One important item of this trade was opium that the East India Company exported to China.

उन्नीसवीं सदी के अंत तक भारत का आधा निर्यात और आयात बम्बई से ही होता था। इस व्यापार की एक महत्त्वपूर्ण वस्तु अफ़ीम थी। ईस्ट इंडिया कंपनी यहां से चीन को अफीम का निर्यात करती थी।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

As Bombay's economy grew, from the mid-nineteenth century there was a need to expand railways and shipping and develop the administrative structure.

जैसे-जैसे बम्बई की अर्थव्यवस्था फैली, उन्नीसवीं सदी के मध्य से रेलवे और जहाज़रानी के विस्तार तथा प्रशासकीय संरचना विकसित करने की ज़रूरत भी पैदा होने लगी।

Many new buildings were constructed at this time. These buildings reflected the culture and confidence of the rulers.

उस समय बहुत सारी नयो इमारतें बनाई गइं। इन इमारतों में शासकों की संस्कृति और आत्मविश्वास झलकता था।

Chhatrapati Shivaji Terminus

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

The architectural style was usually European. This importation of European styles reflected the imperial vision in several ways.

इनकी स्थापत्य या वास्तु शैली यूरोपीय शैली पर आधारित थी। यूरोपीय शैलियों के इस आयात में शाही दृष्टि कई तरह से दिखाई देती थी।

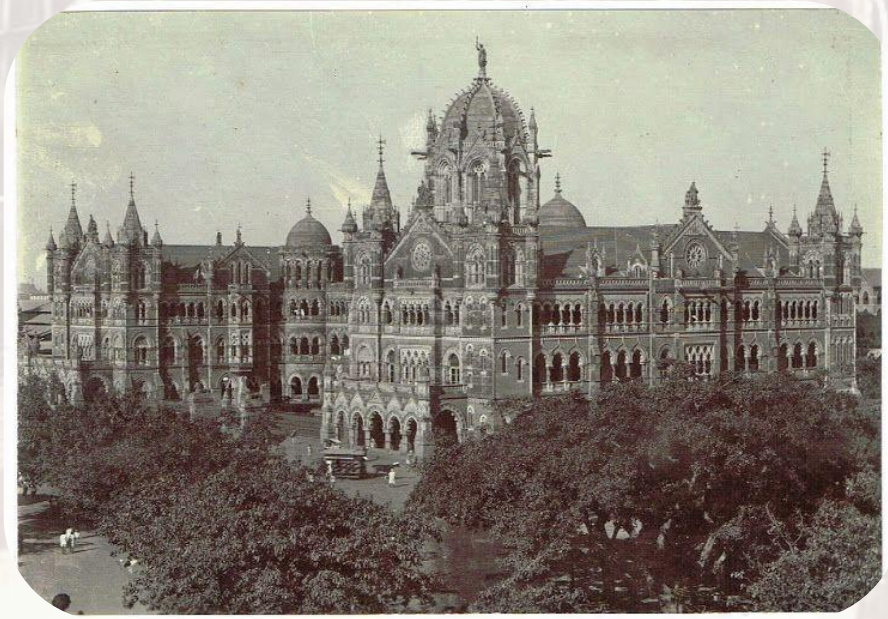

First, it expressed the British desire to create a familiar landscape in an alien country, and thus to feel at home in the colony.

पहली बात, इसमें एक अजनबी देश में जाना-पहचाना सा भूदृश्य रचने की और उपनिवेश में भी घर जैसा महसूस करने की अंग्रेज़ों की चाह प्रतिबिंबित होती है।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Second, the British felt that European styles would best symbolise their superiority, authority and power.

दूसरा, अंग्रेज़ों को लगता था कि यूरोपीय शैली उनकी श्रेष्ठता, अधिकार और सत्ता का प्रतीक होगी।

Third, they thought that buildings that looked European would mark out the difference and distance between the colonial masters and their Indian subjects.

तीसरा, वे सोचते थे कि यूरोपीय ढंग की दिखने वाली इमारतों से औपनिवेशिक स्वामियों और भारतीय प्रजा के बीच फ़र्क़ और फ़ासला साफ़ दिखने लगेगा।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

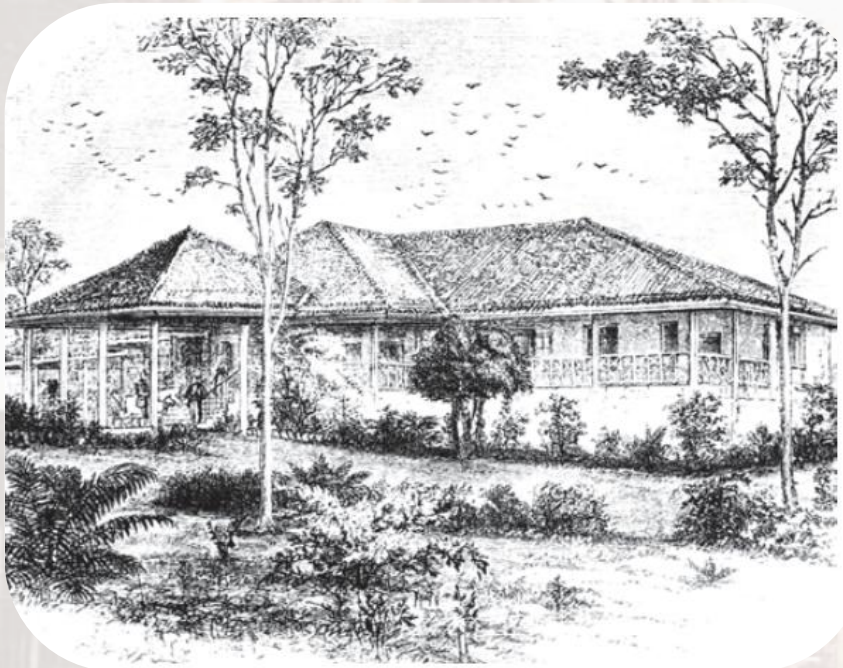

बम्बई का एक बंगला, उन्नीसवीं शताब्दी

Initially, these buildings were at odds with the traditional Indian buildings. Gradually, Indians too got used to European architecture and made it their own. The British in turn adapted some Indian styles to suit their needs.

शुरुआत में य इमारतें परंपरागत भारतीय इमारतों के मुक़ाबले अजीब सी दिखाई देती थीं। लेकिन धीरे-धीरे भारतीय भी यूरोपीय स्थापत्य शैली के आदि हो गए और उन्होंने इसे अपना लिया। दूसरी तरफ़ अंग्रेज़ों ने अपनी ज़रूरतों के मुताबिक कुछ भारतीय शैलियों को अपना लिया।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

The traditional pitched roof and surrounding veranda kept the bungalow cool in the summer months. The compound had separate quarters for a retinue of domestic servants.

परंपरागत ढलवां छत और चारों तरफ़ बना बरामदा बंगले को ठंडा रखता था। बंगले के परिसर में घरेलू नौकरों के लिए अलग से क्वार्टर होते थे।

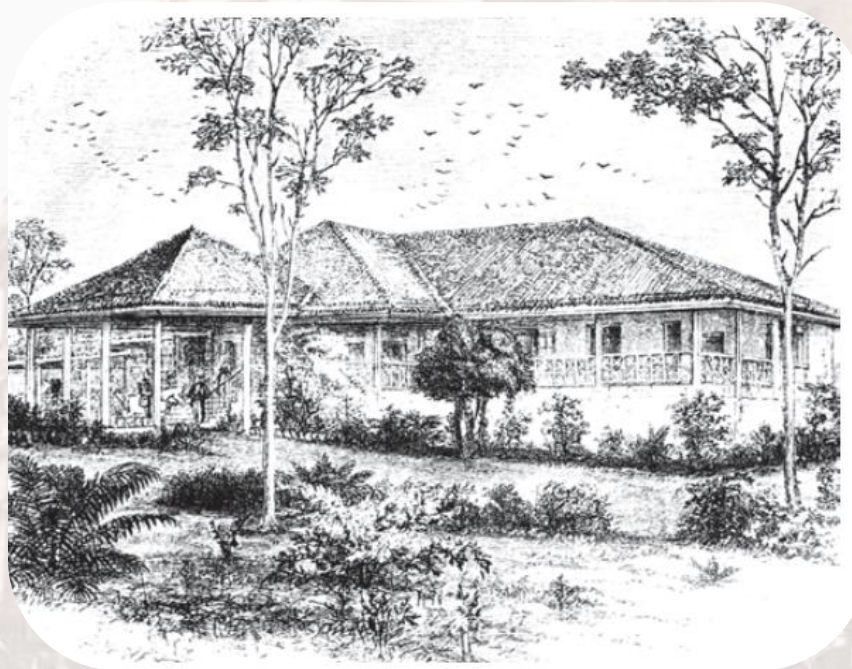

बम्बई का एक बंगला, उन्नीसवीं शताब्दी

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

बम्बई का टाउन हॉल जिसमें अब ऐशियाटिक सोसायटी ऑफ बॉम्बे का दफ़्तर है।

The bungalows in the Civil Lines thus became a racially exclusive enclave in which the ruling classes could live self-sufficient lives without daily social contact with Indians.

सिविल लाइन्स में बने इस तरह के बंगले एक ख़ालिस नस्ली गढ़ बन गए थे जिनमें शासक वर्ग भारतीयों के साथ रोज़ाना सामाजिक संबंधों के बिना आत्मनिर्भर जीवन जी सकते थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES औपनिवेशक शहर

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

For pubic buildings three broad architectural styles were used. Two of these were direct imports from fashions prevalent in England. The first was called neo – classical or the new classical.

सार्वजनिक भवनों के लिए मौटे तौर पर तीन स्थापत्य शैलियों का प्रयोग किया गया। दो शैलियां उस समय इंग्लैंड में प्रचलित चलन से आयातित थीं। इनमें से एक शैली को नवशास्त्रीय या नियोक्लासिकल शैली कहा जाता था।

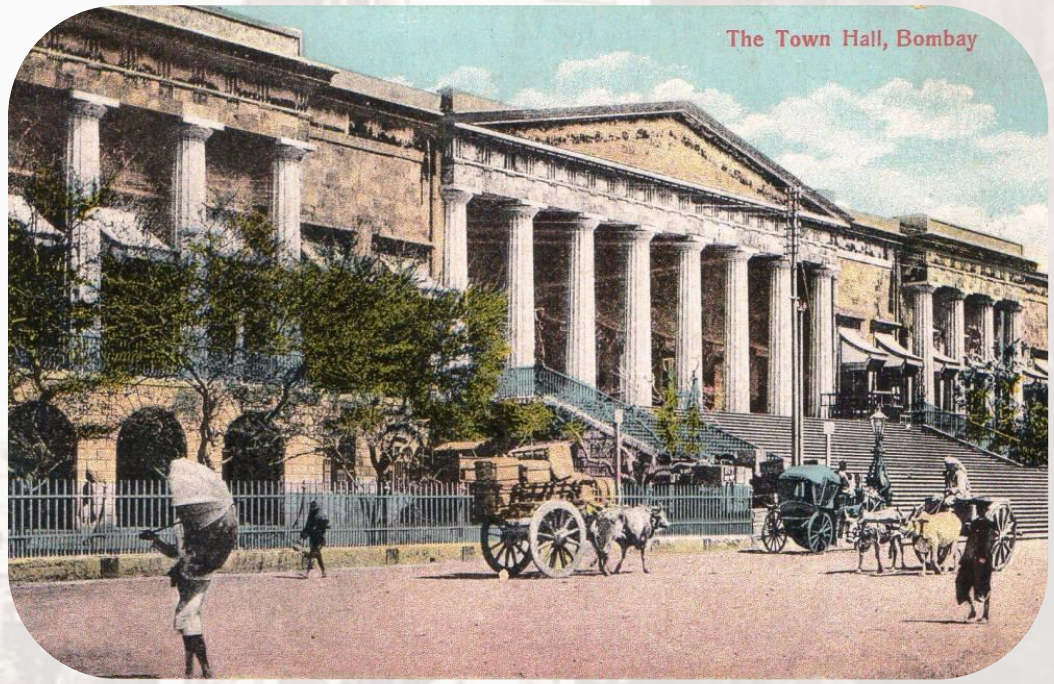

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Its characteristics included construction of geometrical structures fronted with lofty pillars It was derived from a style that was originally typical of buildings in ancient Rome, and was subsequently revived, re-adapted and made popular during the European Renaissance. It was considered particularly appropriate for the British Empire in India.

बड़े-बड़े स्तंभों के पीछे रेखागणितीय संरचनाओं का निर्माण इस शैली की विशेषता थी। यह शैली मूल रूप से प्राचीन रोम की भवन निर्माण शैली से निकली थी जिसे यूरोपीय पुनर्जागरण के दौरान पुनर्जीवित, संशोधित और लोकप्रिय किया गया। भारत में ब्रिटिश साम्राज्य के लिए उसे ख़ास तौर से अनुकूल माना जाता था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Pitched roof is a term used by architects to describe a sloping roof. By the early twentieth century pitched roofs became less common in bungalows, although the general plan remained the same.

बीसवीं सदी की शुरुआत से ही बंगलों में ढलवां छतों (**Pitched Roof**) का चलन कम होने लगा था हालाँकि मकानों की सामान्य योजना में कोई बदलाव नहीं आया था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES
URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर
नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

ऐल्फिस्टन सर्कल
यहाँ आप ग्रीको-रोमन स्थापत्य शैली से प्रभावित स्तंभों और मेहराबों को देखिए।

Another style that was extensively used was the neo-Gothic, characterised by high-pitched roofs, pointed arches and detailed decoration.

एक और शैली जिसका काफ़ी इस्तेमाल किया गया वह नव-गॉथिक शैली थी। ऊँची उठी हुई छतें, नोकदार मेहराबें और बारीक साज-सज्जा इस शैली की खासियत होती है।

The Gothic style had its roots in buildings, especially churches, built in northern Europe during the medieval period.

गॉथिक शैली का जन्म इमारतों, ख़ासतौर से गिरजों से हुआ था जो मध्यकाल में उत्तरी यूरोप में काफ़ी बनाए गए।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES
URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर
नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

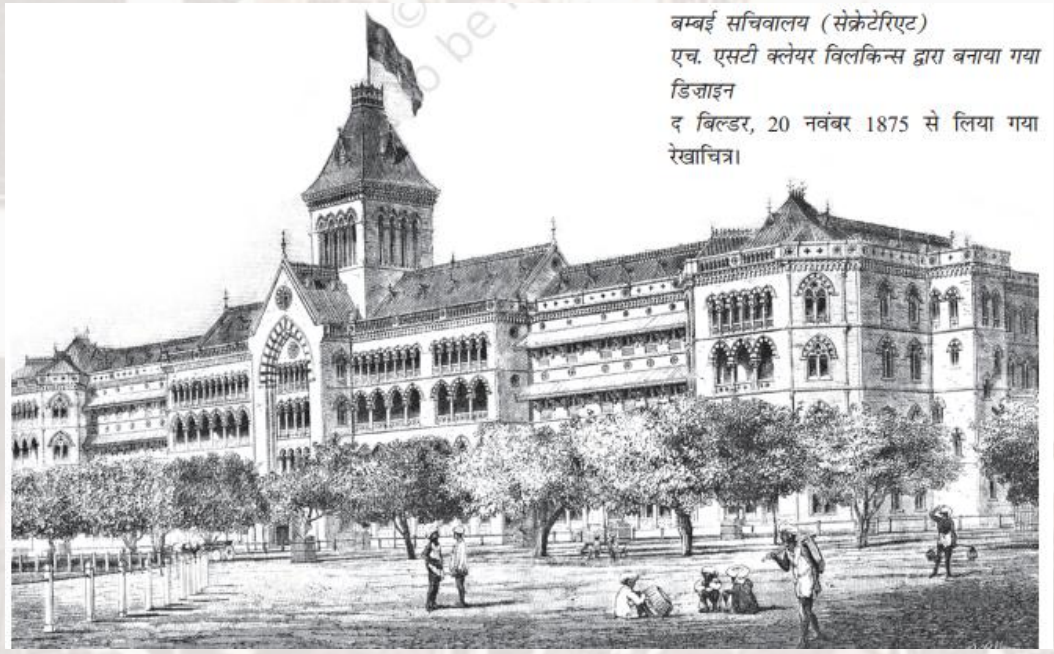

बम्बई सचिवालय (सेक्रेटेरिएट)
एच. एसटी क्लेयर विलकिन्स द्वारा बनाया गया डिज़ाइन
द बिल्डर, 20 नवंबर 1875 से लिया गया रेखाचित्र।

The neo-Gothic or new Gothic style was revived in the mid-nineteenth century in England.

नव–गॉथिक शैली को इंग्लैंड में उन्नीसवीं सदी के मध्य में दोबारा अपनाया गया।

Indians gave money for some of these buildings.

इनमें से कुछ इमारतों के लिए भारतीयों ने पैसा दिया था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

The University Hall was made with money donated by Sir Cowasjee Jehangir Readymoney, a rich Parsi merchant.

यूनिवर्सिटी हॉल के लिए सर कोवासजी जहाँगीर रेडीमनी ने पैसा दिया था जो एक अमीर पारसी व्यापारी थे।

The University Library clock tower was similarly funded by the banker Premchand Roychand and was named after his mother as Rajabai Tower.

यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी के घंटाघर का निर्माण प्रेमचंद रॉयचंद के पैसे से किया गया था और इसका नाम उनकी मां के नाम पर राजाबाई टावर रखा गया था।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Indian merchants were happy to adopt the neo-Gothic style since they believed that building styles, like many ideas brought in by the English, were progressive and would help make Bombay into a modern city.

भारतीय व्यापारियों को नव-गॉथिक शैली इसलिए रास आती थी क्योंकि उनका मानना था कि अंग्रेज़ों द्वारा लाए गए बहुत सारे विचारों की तरह उनकी भवन निर्माण शैलियां भी प्रगतिशील थीं और उनके कारण बम्बई को एक आधुनिक शहर बनाने में मदद मिलेगी।

विक्टोरिया टर्मिनस रेलवे स्टेशन, एफ़. डब्ल्यू. स्टीवन्स द्वारा बनाया गया डिज़ाइन

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

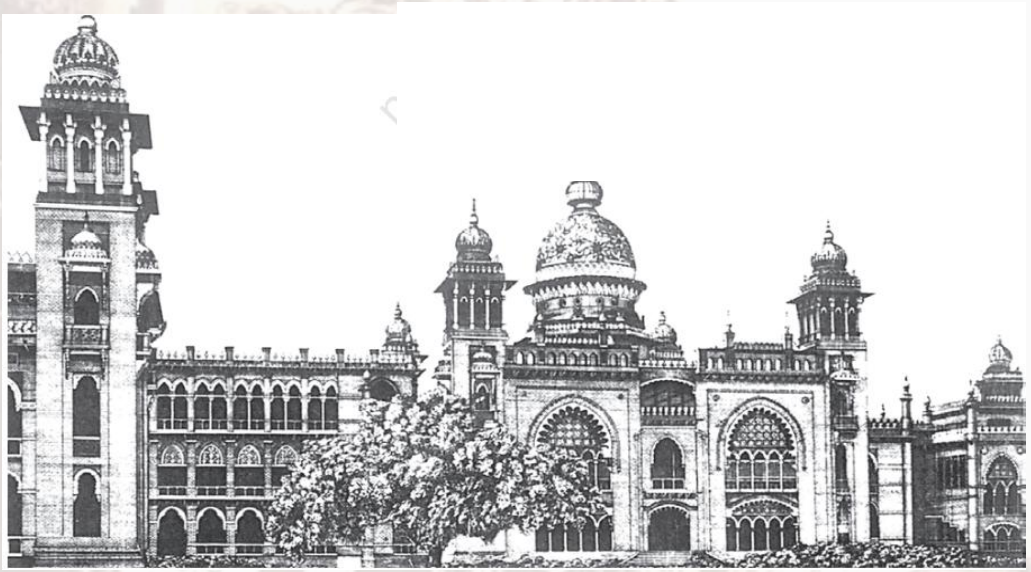

मद्रास लॉ कोर्ट्स (1889–1892)
बम्बई में गॉथिक शैली का चलन बढ़ता जा रहा था लेकिन मद्रास में इंडो-सारसेनिक शैली ही ज़्यादा फली-फूली। अदालत की इस इमारत के डिज़ाइन में पठान और गॉथिक, दोनों शैलियों के तत्व दिखाई देते हैं।

Towards the beginning of the twentieth century a new hybrid architectural style developed which combined the Indian with the European.

बीसवीं सदी की शुरुआत में एक नयो मिश्रित स्थापत्य शैली विकसित हुई जिसमें भारतीय और यूरोपीय, दोनों तरह की शैलियों के तत्व थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES
URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर
नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

This was called Indo-Saracenic. "Indo" was shorthand for Hindu and "Saracen" was a term Europeans used to designate Muslim

इस शैली को इंडो-सारासेनिक शैली का नाम दिया गया था। "इंडो" शब्द "हिन्दू" का संक्षिप्त रूप था जबकि "सारासेन" शब्द का य्रोप के लोग मुसलमानों को संबोधित करने के लिए इस्तेमाल करते थे।

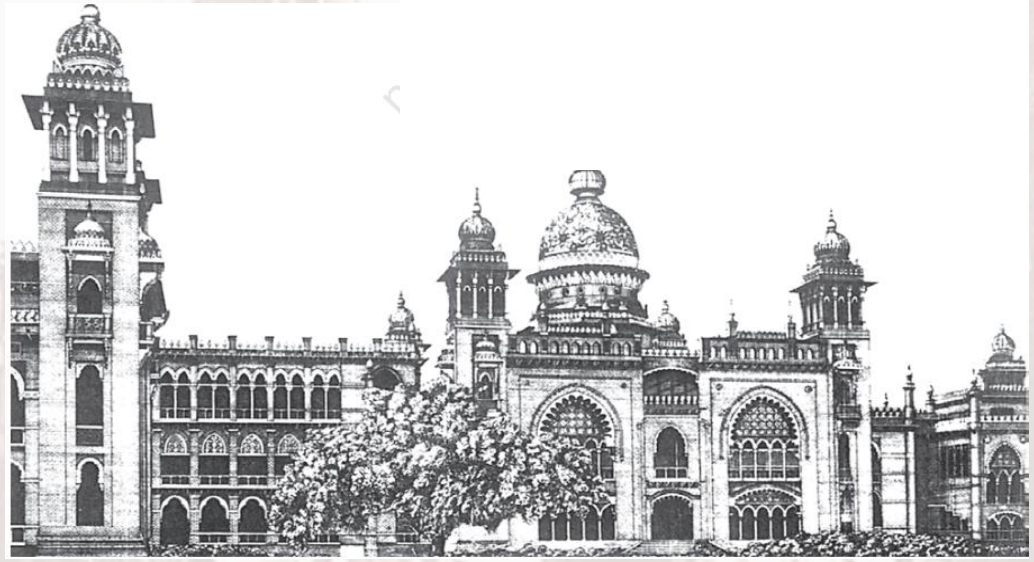

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

By integrating Indian and European styles in public architecture the British wanted to prove that they were legitimate rulers of India. The Gateway of India, built in the traditional Gujarati style to welcome King George V and Queen Mary to India in 1911, is the most famous example of this style.

सार्वजनिक वास्तु शिल्प में भारतीय शैलियों का समावेश करके अंग्रेज़ यह साबित करना चाहते थे कि वे यहां के वैध और स्वाभाविक शासक हैं। राजा जॉर्ज पंचम और उनकी पत्नी मेरी के स्वागत के लिए **1911** में गेटवे ऑफ़ इंडिया बनाया गया। यह परंपरागत गुजराती शैली का प्रसिद्ध उदाहरण है।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

The industrialist Jamsetji Tata built the Taj Mahal Hotel in a similar style. Besides being a symbol of Indian enterprise, this building became a challenge to the racially exclusive clubs and hotels maintained by the British.

उद्योगपति जमशेदजी टाटा ने इसी शैली में ताजमहल होटल बनवाया था। यह इमारत न केवल भारतीय उद्यमशीलता का प्रतीक थी बल्कि अंग्रेज़ों के स्वामित्व और नियंत्रण वाले नस्ली क्लबों और होटलों के लिए एक चुनौती भी थी।

ताजमहल होटल

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

❖What Buildings and Architectural Styles Tell Us

❖इमारतें और स्थापत्य शैलियां क्या बताती हैं?

Architecture reflects the aesthetic ideals prevalent at a time, and variations within those ideals. But, as we have seen, buildings also express the vision of those who build them.

स्थापत्य शैलियों से अपने समय के सौंदर्यात्मक आदर्शों और उनमें निहित विविधताओं का पता चलता है। लेकिन, जैसा कि हमने देखा, इमारतें उन लोगों की सोच और नज़र के बारे में भी बताती हैं जो उन्हें बना रहे थे।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

Architectural styles do not only reflect prevalent tastes. They mould tastes, popularise styles and shape the contours of culture.

स्थापत्य शैलियों से केवल प्रचलित रुचियों का ही पता नहीं चलता। वे उनको बदलती भी हैं। वे नयी शैलियों को लोकप्रियता प्रदान करती हैं और संस्कृति की रूपरेखा तय करती हैं।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

बम्बई की एक चॉल

But not all Indians thought alike: many rejected European ideals and tried to retain indigenous styles; others accepted certain elements from the West that they saw as modern and combined these with elements drawn from local traditions.

लेकिन इस बारे में सबकी राय एक जैसी नहीं थी। बहुत सारे भारतीयों को यूरोपीय आदर्शों से आपत्ति थी और उन्होंने देशी शैलियों को बचाए रखने का प्रयास किया। बहुतों ने पश्चिम के कुछ एसे ख़ास तत्वों को अपना लिया जो उन्हें आधुनिक दिखाई देते थे और उन्हें स्थानीय परंपराओं के तत्वों में समाहित कर दिया।

THEME TWELVE

COLONIAL CITIES

URBANISATION, PLANNING AND ARCHITECTURE

औपनिवेशक शहर

नगरीकरण, नगर-योजना, स्थापत्य

By looking at architecture therefore we can also understand the variety of forms in which cultural conflicts unfolded and political conflicts – between the imperial and the national, the national and the regional/local – were played out.

इसलिए स्थापत्य शैलियों को देखकर हम इस बात को भी समझ सकते हैं कि शाही और राष्ट्रीय, तथा राष्ट्रीय और क्षेत्रीय/स्थानीय के बीच सांस्कृतिक टकराव और राजनीतिक खींचतान किस तरह शक्ल ले रही थी।

The Municipal Corporation Building, Bombay, designed by F. W. Stevens in 1888
Notice the fusion of Oriental and Gothic designs.

THANKS
FOR
WATCHING